हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 240 बेमेतरा, शनिवार 25 अप्रैल 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

नदी में नहाने गए तीन सगे भाई-बहन बने हादसे का शिकार, डूबने से तीनो की मौत

बड़वानी। मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले के वरला थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम देवली में एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां अनेर नदी में नहाने गए तीन सगे भाई-बहन एक-दूसरे को बचाने के चक्कर में डूब गए। मृतकों की पहचान 10 वर्षीय राधा, 8 वर्षीय राजवीर और 6 वर्षीय जयवीर के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार तीनों बच्चे परिवार के साथ ग्राम बीलवा में मामा के घर गए थे। तीनों बच्चे अनेर नदी में नहाने गए, जहां अचानक हादसा हो गया। एक बच्चा डूबने लगा तो बाकी दो उसे बचाने गए और तीनों पानी में डूब गए। कड़ी मशक्कत के बाद स्थानीय लोगों ने तीनों बच्चों के शव बरामद किए। उन्हें तुरंत धवली प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। इस घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है और गांव में मातम का माहौल छा गया है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत, ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के नेशनल हाईवे-30 पर एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा दल्लीराजहरा थाना क्षेत्र के जमहिटोला प्लाजा और गुजरा गांव के बीच हुआ। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची है। वहीं हादसे की जानकारी मिलते ही घटना स्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई है और शवों को सड़क पर रखकर हाईवे पर चक्काजाम कर मुआवजे की मांग कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार दोनों युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे में एक मृतक की पहचान डोमेन्द्र यादव निवासी ग्राम गुजरा के रूप में की गई है, जबकि दूसरे युवक का चेहरा बुरी तरह कुचल जाने के कारण उसकी पहचान अभी तक नहीं हो सकी है।

नितिन नवीन ने दिलाई सदस्यता, खिलाई मिठाई

सांसद राघव चड्ढा समेत बागी सांसदों ने ज्वाइन की बीजेपी...

नई दिल्ली/ एजेंसी

आम आदमी पार्टी के भीतर भूचाल आया हुआ है. राघव चड्ढा समेत आम आदमी पार्टी के बागी सांसद बीजेपी मुख्यालय पहुंचकर पार्टी अध्यक्ष बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात कर रहे हैं. राघव के साथ संदीप पाठक और अशोक मित्तल भी मौजूद हैं. आप के इन बागी नेताओं ने आधिकारिक तौर पर बीजेपी ज्वाइन कर ली है. इस मौके पर नितिन नबीन ने सभी को पार्टी की सदस्यता दिलाई और मिठाई खिलाकर पार्टी में उनका स्वागत किया. बता दें कि, राघव चड्ढा ने आम आदमी पार्टी यानी आप छोड़ने का ऐलान कर दिया है. आप पार्टी छोड़ने के साथ ही राघव चड्ढा ने बीजेपी में शामिल करने का भी ऐलान किया है. राघव चड्ढा ने संदीप पाठक और अशोक मित्तल के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा में शामिल होने का ऐलान किया. साथ ही राघव ने आप के दो तिहाई सांसद और दिल्ली में नेता विपक्ष भी बीजेपी में शामिल होने का दावा किया है. इनमें स्वाती मालिवाल, हरभजन सिंह, राजेंद्र गुप्ता, विक्रम साहनी, संदीप पाठक, राजेंद्र गुप्ता का नाम शामिल है. संदीप पाठक और अशोक मित्तल के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, क्कसांसद राघव चड्ढा ने कहा, हमने फैसला किया है कि हम, राज्यसभा में आप के 2/3 सदस्य, भारत के संविधान के प्रावधानों का इस्तेमाल करते हुए खुद को बीजेपी में मिला लेंगे. उन्होंने आगे कहा कि आपको मैंने अपने खून-पसीने से सींचा और अपनी जवानी के 15 साल दिए,

अब अपने सिद्धांतों, मूल्यों और मूल नैतिकता से भटक गई है. अब यह पार्टी देश के हित में नहीं, बल्कि अपने निजी फ़ायदे के लिए काम करती है. पिछले कुछ सालों से, मुझे यह महसूस हो रहा था कि मैं गलत पार्टी में सही आदमी हूं. इसलिए, आज हम यह ऐलान करते हैं कि मैं आप से खुद को अलग कर रहा हूं और जनता के करीब जा रहा हूं. आम आदमी पार्टी के पास राज्यसभा में कुल 10 सांसद थे, जिनमें 7 पंजाब और 3 दिल्ली से हैं. हालांकि, आज पार्टी को उस वक्त जबरदस्त झटका लगा, जब तीन प्रमुख सांसदों- राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए पार्टी छोड़ दी और औपचारिक रूप से बीजेपी में शामिल हो गए. इन तीनों सांसदों ने अपने इस्तीफे के साथ ही यह दावा किया है कि राज्यसभा में पार्टी के दो-तिहाई से ज्यादा सांसद अब उनके (बीजेपी) साथ हैं. इससे पहले दिल्ली विधानसभा चुनावों के दौरान स्वाति मालीवाल भी बगावती रुख अपना चुकी थीं. अब राघव, संदीप और अशोक के जाने से अरविंद केजरीवाल की राज्यसभा में ताकत आधी से भी कम रह गई है. इस बड़ी टूट ने आम आदमी पार्टी के भविष्य और उसकी सांगठनिक एकता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. इस बगावत के पीछे दिल्ली चुनाव में हुई पार्टी की हार एक बड़ी वजह रही है.

बीजेपी ने फिर से पंजाबियों के साथ किया धक्का

आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद रहे राघव चड्ढा समेत संदीप पाठक और अशोक मित्तल भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए है। उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात की और भाजपा में आधिकारिक रूप से शामिल हुए। इस मौके पर नितिन नबीन ने सभी को फूलों को लड्डू खिलाकर स्वागत भी किया। आम आदमी पार्टी में पड़ी बड़ी टूट के बाद पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल का पहला रिएक्शन सामने आया है। अरविंद केजरीवाल ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया है। इस पोस्ट में लिखा, बीजेपी ने फिर से पंजाबियों के साथ किया धक्का। भले ही पोस्ट छोटा हो लेकिन इसके मायने काफी बड़े है।

खुशी हुई एसआईआर के बीच

बंगाल चुनाव में रिकॉर्ड वोटिंग से सीजेआई सूर्यकांत गदगद हुए.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में हुई रिकॉर्ड वोटिंग से सीजेआई सूर्यकांत गदगद है। बंगाल चुनाव में रिकॉर्ड मतदान पर भारत मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने खुशी जाहिर की है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा है कि राज्य में 92 प्रतिशत से ज्यादा मतदान देखकर खुशी हुई है। दरअसल सीजेआई ने यह टिप्पी पश्चिम बंगाल के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एसआईआर मामले में 71 लोगों की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान की। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि भारत के नागरिक के तौर पर मुझे

लोगों को बढ़-चढ़ कर मतदान करते देख खुशी हुई। यह लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचौली की बेंच को बताया गया कि गुरुवार (23 अप्रैल, 2026) को बंगाल विधानसभा चुनाव के फर्स्ट फेज में 92 प्रतिशत से भी ज्यादा वोटिंग हुई है। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि भारत के नागरिक के तौर पर मुझे लोगों को बढ़-चढ़ कर मतदान करते देख खुशी हुई। यह लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि इस तरह के मामलों के समाधान के लिए संबंधित पक्षों को कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख करना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि रोज़ाना सामने आने वाले ऐसे मुद्दों को हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश प्रशासनिक स्तर पर भी देख सकते हैं । और जरूरत पड़ने पर न्यायिक हस्तक्षेप भी किया जा सकता है।

लखीमपुर खीरी में बड़ा सड़क हादसा, ट्रैक्टर ट्रॉली पलटने से पांच की मौत

लखीमपुर। पढुआ थाना क्षेत्र में ढखेरवा, गजियापुर कैलाशपुरी मार्ग पर बोझिया पेट्रोल पंप के पास गुरुवार को बड़ा सड़क हादसा हो गया। मुंडन संस्कार के लिए जा रही लोगों से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली अचानक पलट गई, जिससे मौके पर चीख-पुकार मच गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालु मुंडन कार्यक्रम के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली से बहराइच के सुजौली थाना क्षेत्र के कारीकोट देव स्थान जा रहे थे। सभी मृतक और घायल शारदानगर थाना क्षेत्र के निवासी हैं। 22 घायलों में कई की हालत बेहद गंभीर है। घायलों में कई की हालत गंभीर होने के कारण मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

महिलाओं की सुरक्षा, हमारी प्राथमिकता

अमित शाह बोले-अब भय जाने वाला है, भरोसा आने वाला है...

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव का सियासी माहौल लगातार गरमाता जा रहा है। पहले चरण में हुए रिकॉर्ड मतदान ने जहां चुनावी मुकाबले को नया मोड़ दिया है, वहीं अब सभी राजनीतिक दल दूसरे चरण की तैयारी में पूरी ताकत झोंकते नजर आ रहे हैं। 29 अप्रैल को होने वाले दूसरे चरण से पहले राजधानी कोलकाता में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी बीच शुक्रवार को भाजपा के शीर्ष नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता में प्रेस वार्ता

किया, इस दौरान उन्होंने बंगाल चुनाव के लिए पहले चरण में हुए रिकॉड मतदान के लिए राज्य की जनता का धन्यवाद दिया। साथ ही कहा कि बंगाल की जनता ने परिवर्तन के लिए वोट किया है।उन्होंने पहले चरण में हुए रिकॉर्ड मतदान के लिए बंगाल की जनता को बधाई दिया। अमित शाह ने कहा कि कल के मतदान में बंगाल की जनता ने परिवर्तन के लिए वोट दिया, जिसके लिए मैं उनका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं। उन्होंने कहा कि इस बार राज्य में चुनाव बेहद शांतिपूर्ण तरीके से हुए हैं, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। इसके साथ ही अमित शाह ने असम और ओडिशा में भाजपा के शासन के अलावा पश्चिम बंगाल में पार्टी की संभावनाओं पर कहा कि पांच मई के बाद 'अंग, बंग और कलिंग' में सरकारें होंगी। प्रेस वार्ता के दौरान अमित शाह ने आगे चुनाव आयोग की पूरी टीम की सराहना की।

मोदी-शाह की जोड़ी ने चलाया ऑपरेशन

सातों सांसदों ने पंजाब के पीठ पर छुरा भोका

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी में बड़ी राजनीतिक फूट पड़ गई है. पार्टी के तीन राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा संदीप पाठक और अशोक मित्तल ने बीजेपी में शामिल होने का बड़ा ऐलान कर दिया है. राघव चड्ढा ने पार्टी नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि आप अब अपने मूल उद्देश्यों से भटक गई है। उनके अनुसार पार्टी, जो भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से बनी थी, अब समझौता करने वाले लोगों के हाथ में चली गई है। राघव चड्ढा ने दावा किया है कि, उनके साथ पार्टी के 7 सांसद बीजेपी में शामिल होने को तैयार है। चड्ढा के इस ऐलान से आम आदमी पार्टी के भीतर भूचाल आ

गया बीच अब आम आदमी पार्टी ने भी जवाबी प्रेस कॉन्फ्रेंस शुरू की है। इस कॉन्फ्रेंस में संजय सिंह ने बीजेपी पर उनकी पार्टी को तोड़ने का आरोप लगाया है। सिंह ने कहा है कि, मोदी और शाह की जोड़ी ने आम आदमी पार्टी को तोड़ने की साजिश रची है।

हिमाचल में बढ़ने लगा पारा : जिला ऊना में सीजन का सबसे गर्म दिन, पारा 38.7 डिग्री

शिमला। हिमाचल प्रदेश में गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। प्रदेश के मैदानी इलाकों में पारा तेजी से चढ़ रहा है, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित होने लगा है। बुधवार को ऊना जिला प्रदेश में सबसे गर्म रहा। यहां अधिकतम तापमान 38.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस सीजन का अब तक का सबसे अधिक तापमान है। लगातार बढ़ रही गर्मी के बीच एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ 24 अप्रैल से सक्रिय होने वाला है, जिससे प्रदेशवासियों को चिलचिलाती धूप से कुछ राहत मिल सकती है। मौसम विभाग की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार 24 अप्रैल को ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों में हल्की बारिश या हिमपात हो सकता है।

रेत कारोबार को लेकर विवाद की आशंका

कांग्रेस नेता के घर में घुसकर गोलीबारी एक बेटे की मौत दूसरे की हालत गंभीर

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा जिले के बिर्रा थाना क्षेत्र के करही गांव में गुरुवार देर रात एक सनसनीखेज वारदात हुई। कांग्रेस नेता सम्मेलाल कश्यप के बड़े बेटे आयुष कश्यप की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। देर रात करीब 12:30 बजे तीन नकाबपोश बदमाश सम्मेलाल कश्यप के घर में घुस आए। सम्मेलाल सीमेंट-रेत व्यवसायी और पूर्व ब्लॉक कांग्रेस उपाध्यक्ष हैं। बदमाशों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। उन्होंने परिवार के

सदस्यों को निशाना बनाया। हमले में आयुष कश्यप को दो गोलियां लगीं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आयुष के छोटे भाई आशुतोष कश्यप को भी गोली लगी है। उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है। मृतक की बहन प्रेरणा कश्यप ने बताया कि हमलावर नकाब पहने हुए थे। उन्होंने सीधे आयुष को निशाना बनाया और पहले उसे गोली मारी। इसके बाद छोटे भाई पर भी फायरिंग की गई। प्रेरणा ने यह भी बताया कि लगभग एक सप्ताह पहले कुछ युवक आयुष के बारे में पूछताछ करने गांव आए थे। घटना की सूचना पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। प्रभारी पुलिस अधीक्षक निवेदिता पाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप, साइबर दल और न्यायिक विज्ञान दल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू कर दी है।

क्या बंगाल में महिलाएं और बेटियां सुरक्षित हैं

पहले चरण के मतदान ने सत्ताधारी दल की नींदे उड़ाई आरजी कर मामले में दोषियों को मिलेगी सजा-मोदी

कोलकाता/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में एक बहुत बड़ा और कड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि आरजी कर अस्पताल में हुए रेप और मर्डर केस की साजिश में शामिल किसी भी रसूखदार या अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। पीएम मोदी ने जनता को भरोसा दिलाया है कि अगले महीने जब राज्य में भाजपा की सरकार बनेगी, तो हर एक अपराधी को खोजकर उसे सजा दी जाएगी। यह खबर बंगाल के उन सभी आम लोगों के लिए बहुत बड़ी उम्मीद है जो लंबे समय से इस दर्दनाक मामले में न्याय की मांग कर रहे हैं।प्रधानमंत्री ने यह बात शुक्रवार को उत्तर 24 परगना जिले के पानीहाटी विधानसभा क्षेत्र में एक विशाल चुनावी रैली के दौरान कही। यह वही पानीहाटी इलाका है जहां अगस्त 2024 में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में जान गंवाने वाली महिला डॉक्टर का पुराना घर है। इस चुनाव में भाजपा ने उसी पीड़ित महिला डॉक्टर की मां स्वप्ना देबनाथ को इस सीट से अपना उम्मीदवार

बनाया है। मोदी ने कहा कि स्वप्ना देबनाथ ने अपनी बेटी को देश की सेवा करने के लिए डॉक्टर बनाने में जीवन भर संघर्ष किया, लेकिन सत्ताधारी पार्टी के कुशासन वाले जंगलराज में उनकी बेटी छिन गई। उन्होंने वादा किया कि 4 मई को चुनाव के नतीजे आने के बाद हर जुल्म का हिसाब होगा। प्रधानमंत्री ने मौजूदा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पिछले 15 वर्षों में इस सरकार ने बंगाल की पहचान को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है। राज्य में लगातार घुसपैठियों को लाया जा रहा है और उन्हें यहां बसाया जा रहा है। ये घुसपैठिए बंगाल की जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं और यहां के स्थानीय लोगों का रोजगार छीन रहे हैं। एक तरफ सरकार का भारी भ्रष्टाचार है और दूसरी तरफ घुसपैठियों का जुल्म है। इस कारण से बंगाल के युवाओं को नौकरी की तलाश में अपने घर छोड़कर बाहर जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। राज्य में कोई नया निवेश नहीं आ रहा है और पुरानी फैक्ट्रियां भी बंद होकर दूसरी जगह जा रही हैं। रैली में पीएम मोदी ने महिलाओं की सुरक्षा और उनके हकों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार के राज में बेटियां बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं हैं। लेकिन जब भाजपा की सरकार आएगी, तो कोई भी रेपिस्ट या अपराधी सुरक्षित नहीं बचेगा। महिलाओं को मजबूत बनाने के लिए भाजपा के कार्यकर्ता घर-घर जाकर मातृ शक्ति भरोसा कार्ड बांट रहे हैं।

ममता बनर्जी का भाजपा पर तीखा वार

बंगाल जीतने के बाद दिल्ली कब्जा कर लूंगी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को भाजपा पर हमला किया। उन्होंने कहा कि मेरा जन्म बंगाल में हुआ है और मैं बंगाल में ही मरूंगी। बंगाल जीतने के बाद, मैं दिल्ली पर कब्जा कर लूंगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा 'भाजपा के लिए काम करने वाले सभी लोगों के नाम सूचीबद्ध हैं। आपने भाजपा पृष्ठभूमि के आधार पर लोगों को लाया है और उसी के अनुसार अधिकारियों की नियुक्ति की है। याद रखिए, आप हमें हराने की क्षमता नहीं रखते। हम अन्याय के खिलाफ लड़ते हैं, हम अपने

अधिकारों के लिए लड़ते हैं। मेरा जन्म बंगाल में हुआ है और मैं बंगाल में ही मरूंगी। बंगाल जीतने के बाद, मैं दिल्ली पर कब्जा कर लूंगी। मुझे सत्ता नहीं चाहिए, मुझे दिल्ली में भाजपा का विनाश चाहिए, न केवल बंगाल में विनाश होगा, बल्कि भाजपा को दिल्ली से भी हटाना होगा।

पीएम आशा योजना के तहत जांजगीर-चांपा में चना, मसूर व सरसों की खरीदी शुरू, किसान उत्साहित

जांजगीर चांपा/मूक पत्रिका

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण योजना (पीएम आशा योजना) अंतर्गत जिले में रबी फसल के रूप में चना, मसूर एवं सरसों फसल की खरीदी शुरू होने से किसान अत्यंत खुश एवं उत्साहित है। उपसंचालक कृषि राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि नाफेड द्वारा रबी विपणन वर्ष 2026-27 में अधिसूचित चना फसल को समर्थन मूल्य. 5875 रू. प्रति क्विंटल, मसूर को 7000 रू. प्रति क्विंटल एवं सरसों को समर्थन मूल्य.6200 रू. प्रति क्विंटल की दर से खरीदी की जा रही है। चना एवं मसूर की खरीदी 1 मार्च 2026 से 30 मई 2026 तक एवं सरसों की खरीदी 15 फरवरी 2026 से 15 मई 2026 तक की जाएगी। पीएम आशा योजनांतर्गत पंजीकृत किसान कृषि विभाग के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी से संपर्क कर चना, मसूर एवं सरसों फसल को निर्धारित उपार्जन केंद्र सेवा सहकारी समिति जांजगीर, पामगढ़, बम्हनीडीह एवं अकलतरा में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर विक्रय कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जिले में चना फसल लगाने वाले 117 कृषक, मसूर के 18 कृषक एवं सरसों के 56 कृषकों 2 क्विंटल तथा सरसों 74 क्विंटल, कुल 90 क्विंटल की खरीदी की जा चुकी है। चना, मसूर और सरसों फसल ब्रिकी हेतु शेष पंजीकृत किसान अपना मोबाईल नम्बर, आधार कार्ड एवं एकीकृत किसान पोर्टल पर पंजीयन पावती/ई-समृध्दि पोर्टल पर पंजीयन पावती के साथ अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी/वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी से संपर्क स्थापित कर अपना फसल अधिसूचित समितियों विकासखंड अकलतरा के कृषक सेवा सहकारी समिति अकलतरा, विकासखंड नवागढ़ एवं बलौदा के कृषक सेवा सहकारी समिति जांजगीर तथा विकासखंड बम्हनीडीह के कृषक सेवा सहकारी समिति बम्हनीडीह एवं विकासखंड पामगढ़ के कृषक कुल 391 कृषकों द्वारा इस योजना में पंजीयन कराया गया है। अब तक चारों उपार्जन केंद्रों में कुल 51 कृषकों से चना 14 क्विंटल , मसूर सेवा सहकारी समिति पामगढ़ में अपनी फसल बेच सकते हैं एवं योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

प्लेसमेंट एजेंसी को ब्लैकलिस्ट करने की मांग,मेडिकल अधिष्ठाता को सौंपा ज्ञापन

कांकेर/मूक पत्रिका

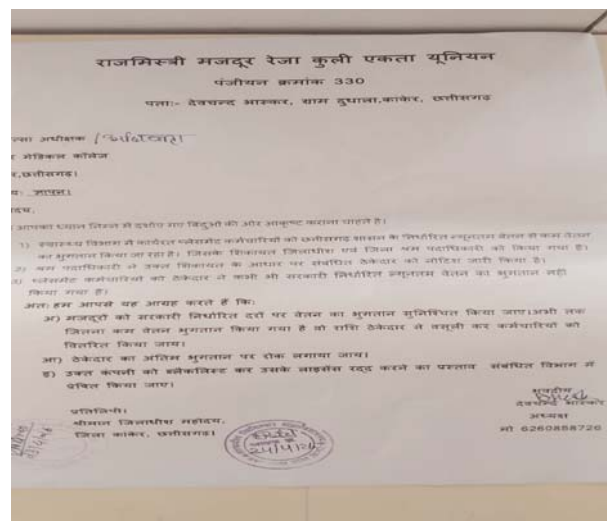

विक्रम ठाकुर/ कांकेर के इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज के अधिष्ठाता को यूनियन के कार्यकारी राज्य अध्यक्ष सुख रंजन नंदी के नेतृत्व में एक ज्ञापन सौंपकर प्लेसमेंट एजेंसी को ब्लैकलिस्ट करने की मांग राजमिस्त्री मजदूर रेजा कुली एकता यूनियन ने किया है। आज जारी एक प्रेस बयान में यूनियन के राज्य अध्यक्ष देवचन्द भास्कर ने कहा कि मेडिकल कॉलेज में कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारियों को सरकारी न्यूनतम मजदूरी दर पर ठेकेदार मजदूरी का भुगतान नहीं कर रहे है। इसके साथ ही किसी भी प्लेसमेंट कर्मचारियों को ई एसआई कार्ड भी वितरित नहीं किया गया है। जबकि मेडिकल कॉलेज द्वारा प्रत्येक कर्मचारियों के वेतन से ई एसआई की राशि की कटौती कर ठेकेदार को जमा करने के लिए दिया जाता है। लेकिन ठेकेदार यह राशि नियमित रूप से ई एसआई में जमा करता है या नहीं यह अब जांच का विषय है। अधिष्ठाता को सौंपे गए ज्ञापन में मजदूरों को जितनी कम राशि मजदूरी भुगतान किया गया है वो सभी राशि ठेकेदार से वसूली कर मजदूरों में वितरित किया जाय। यूनियन के प्रतिनिधिमंडल ने यह भी मांग किया है कि ठेकेदार का अंतिम भुगतान पर रोक लगाई जाएं। यूनियन के प्रतिनिधियों को मेडिकल अधिष्ठाता ने कहा कि यूनियन के पूर्व के शिकायत पर ठेकेदार को नोटिश जारी कर दिया गया है। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि वे ठेकेदार को कर्मचारियों को ई एसआई कार्ड वितरित करने का आदेश जारी करेंगे।

गौरतलब है कि जिलाधीश को भी ज्ञापन की प्रतिलिपि सौंपा गया है।

भ्रष्टाचार छिपाने के लिए ईमानदार शिक्षक की हत्याः विधायक मंडावी

सुसाइड नोट में ठेकेदार, इंजीनियर और भाजपा नेता का नाम आने का दावा, न्यायिक जांच की मांग

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले के पालनार में पदस्थ प्रधान अध्यापक राजू पुजारी की आत्महत्या का मामला अब सियासी तूल पकड़ता जा रहा है। शुक्रवार को बीजापुर में आयोजित प्रेस वार्ता में विधायक विक्रम मंडावी ने इस घटना को लेकर बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह सामान्य आत्महत्या नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए ईमानदार शिक्षक की ÷हत्या÷ है।मंडावी ने कहा कि ग्राम चेरपाल निवासी राजू पुजारी अपने ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ स्वभाव के लिए जाने जाते थे। स्कूल भवन निर्माण में अनियमितताओं की शिकायत करने के कारण ठेकेदारों, इंजीनियरों और कर्मचारियों द्वारा उन पर लगातार दबाव बनाया जा रहा था। मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर उन्होंने आत्महत्या जैसा कदम उठाया।परिजनों के अनुसार, पालनार में करीब 20.30 लाख रुपए की लागत से स्कूल भवन का निर्माण हो रहा था, जिसकी गुणवत्ता को लेकर गंभीर शिकायतें थीं। मृतक शिक्षक ने कई बार अधिकारियों को अवगत कराया, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। उल्टा निर्माण राशि जारी करने के लिए उन पर दबाव बढ़ता गया।विधायक ने दावा किया कि सुसाइड नोट में ठेकेदार देवाशीष मंडल, इंजीनियर शैलेश वासम और कर्मचारी छवितेश डोंगरे के नाम हैं। वहीं मुख्य ठेकेदार के रूप में जागर लक्ष्मैया का नाम भी सामने आया है, जो भाजपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष बताए जा रहे हैं। उन्होंने आशंका जताई कि राजनीतिक दबाव में आरोपियों को बचाने की कोशिश हो सकती है।प्रेस वार्ता में विधायक ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ÷डबल इंजन÷ की सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है और ईमानदार लोगों को इसकी कीमत जान देकर चुकानी पड़ रही है। उन्होंने मामले में कई सवाल उठाए, जिनमें निर्माण कार्य का ठेका किसे और कैसे दिया गया, कार्य एजेंसी की भूमिका क्या रही, तथा शिक्षा विभाग के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने जैसे मुद्दे शामिल हैं। विधायक ने इस पूरे मामले की न्यायिक जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो ग्रामीणों और परिवार के साथ मिलकर आंदोलन किया जाएगा। प्रेस वार्ता के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी बीजापुर के अध्यक्ष लालू राठौर, जिला पंचायत सदस्य नीना रावतिया उद्दे, पूर्व जिला पंचायत सदस्य बसंत राव ताटी, राजेश जैन, प्रवीण डोंगरें, ज्योति कुमार, पुरुषोत्तम खत्री, पुरुषोत्तम सल्लूर, दिनेश पुजारी, सतेंद्र पंत, राजीव सिंह, सम्माराम हेमला, इद्रीश खान और जगदीश सेन सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

उठाए गए प्रमुख सवाल

- निर्माण कार्य का ठेका किसे और कैसे दिया गया?
- कार्य एजेंसी कौन थी और उसकी भूमिका क्या रही?
- स्रष्ट होने के बावजूद ठेकेदार की एंट्री कैसे हुई?
- शिक्षा विभाग के अधिकारियों की क्या जिम्मेदारी है?
- इस मामले में और कौन-कौन शामिल हैं?

चाकू दिखा कर गाली गलोच कर धमकी देकर गुंडा गर्दी करने वाले आरोपी को बस्तर पुलिस ने किया गिरफ्तार

जगदलपुर /मूक पत्रिका

जिला-बस्तर,जगदलपुर एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायलय में किया गया पेश आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू को किया गया जप्त। सूरज कश्यप पिता स्वर्गीय श्याम सुंदर कश्यप उम्र 22 वर्ष निवासी संजय गांधी वार्ड जगदलपुर ।पुलिस अधीक्षक, शलभ कुमार सिन्हा के नेतृत्व में बस्तर पुलिस के द्वारा अपराधिक तत्वों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही किया जा रहा है। इसी तारतम्य में गुंडा गर्दी करने वाले एक युवक को गिरफ्तार करने में बस्तर पुलिस को सफलता मिली है। ज्ञात हो कि थाना बोधघाट में पीड़िता थाना उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके भाई सूरज कश्यप दिनांक 22.04.26 के रात्री में घर के सामने आकर तुम लोग मुझे जेल भिजवाए हो, तुम लोगो को जिन्दा नहीं छोडूगा तुम लोगो का मर्डर कर दूंगा कहते हुए माँ बहन की अश्लील गाली गुप्तार कर जान से मारने के धमकी देते हुए अपने पास रखे धारदार चाकू को लहराकर दिखाकर प्रार्थीया को धमकाया है रिपोर्ट पर अपराध क़ायम कर तत्काल पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में अति. पुलिस अधीक्षक श्री माहेश्वर नाग के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक डी धोत्रे सुमित कुमार दत्ता हरिराव के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी बोधघाट टामेश्वर चौहान के नेतृत्व में तत्काल कार्यवाही हेतु टीम तैयार किया गया, उक्त टीम के द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए उक्त आरोपी सूरज कश्यप पिता स्व श्याम सुन्दर कश्यप उम्र 22 वर्ष निवासी संजय गाँधी वार्ड जगदलपुर को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय पेश किया गया है। महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने वाले अधिकारी-

निरीक्षक - टामेश्वर चौहान
उ. नि. - ललित सिंह नाग, लोकेश्वर नाग
स उ नि - सतीश श्रीवास्तव
प्र.आर. - प्रकाश मनहर
आरक्षक - होरी लाल आर्मो, कामदेव दर्रो,

महिला आरक्षण पर बयानबाजी तेज, भाजपा ने कांग्रेस को घेराः जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा बोलीं– महिलाओं के अधिकारों पर वार के लिए कांग्रेस जिम्मेदार

कांग्रेस 30 साल तक बिल लटकाती रही, जबकि मोदी सरकार ने इसे तेजी से पारित कर महिलाओं को उनका अधिकार दिया।

बीजापुर/मूक पत्रिका

महिला आरक्षण के मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि महिलाओं के अधिकारों के साथ अन्याय के लिए कांग्रेस जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि अब देश में महिलाओं के नेतृत्व का दौर शुरू हो चुका है।अटल सदन में आयोजित प्रेसवार्ता में कोरसा ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में महिलाएं एकजुट हो रही हैं। यह केवल समर्थन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि कांग्रेस के कथित दोहरे रवैये को उजागर करने का प्रयास है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने लंबे समय तक महिला आरक्षण के मुद्दे को लंबित रखा और इसे राजनीतिक रूप से इस्तेमाल किया। कोरसा ने कहा कि केंद्र सरकार ने इस अधिनियम को संसद से पारित कर महिलाओं को अधिकार देने का काम किया है। इसके विपरीत कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने इसका विरोध किया, जो महिलाओं के हितों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि पहले कांग्रेस आरक्षण की मांग करती रही, लेकिन लागू होने पर विरोध कर रही है।उन्होंने कांग्रेस पर महिला विरोधी सोच का आरोप लगाते हुए विभिन्न योजनाओं का जिक्र किया और कहा कि महिलाओं को अब अपने अधिकारों के प्रति सजग रहना होगा। बीजापुर की महिलाओं से उन्होंने अपने भविष्य को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेने की अपील की। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष घासीराम नाग, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष माया झाड़ी, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष हरिहर सहनी, जिला महामंत्री पुष्पा सिन्हा, पूजा पोदी, संगीता दासार सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फर्जी ग्राम सभा प्रस्ताव, बड़े तेवड़ा शव दफन विवाद से बचने तुमसनार गांव का फर्जी ग्राम सभा प्रस्ताव हाईकोर्ट तक पहुंचा, कांकेर एसपी से शिकायत

कांकेर /मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ कांकेर 16 दिसंबर 2025 को बड़े तेवड़ा गांव में शव दफन का विवाद शुरू हुआ था जहां गांव के धर्मांतरित सरपंच राजमन सलाम ने अपने पिता के मौत के बाद गांव में शव दफन कर दिया जिसका विरोध ग्रामीणों ने किया विरोध इतना बड़ा हो गया कि धर्मांतरित लोगों की भीड़ ने विरोध कर रहे ग्रामीणों पर लाठी डंडे से हमला कर दिया था, तीन दिनों तक शव दफन का विरोध चलता रहा ग्रामीणों ने दफन शव को गांव के बाहर लेजाने की मांग जिला प्रशासन से करती रही, दोनों पक्षों में तनाव अब भी बना हुआ है, इस पूरे मामले की सुनवाई हाईकोर्ट में होना है जहां दोनों पक्षों ने अपनी याचिका दायर किया है,इसी बीच ग्राम बड़े तेवड़ा के उपसरपंच, तुमसनार गांव के सरपंच और ग्राम सभा अध्यक्ष ने कांकेर एसपी से शिकायत दर्ज कराई है शिकायत करने पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि बड़े तेवड़ा के सरपंच राजमन सलाम ने अपने पिता के शव दफन करने के लिए फर्जी ग्राम सभा प्रस्ताव पारित किया और वह भी तुमसनार ग्राम पंचायत से बनाया गया है, ग्रामीण रीति रिवाज से शव दफन करने बनाया गया ग्राम सभा प्रस्ताव में ग्राम सभा अध्यक्ष का हस्ताक्षर नहीं किया गया है, ग्राम सभा का सील लगा दिया गया है फर्जी ग्राम सभा प्रस्ताव पारित करने कठोर कार्रवाई की मांग करने एसपी कांकेर से शिकायत की गई है, बड़े तेवड़ा के उप सरपंच श्याम सिंह ने बताया कि हाईकोर्ट में चल रहे मामले में मै पक्षकार हु मुझे हाईकोर्ट से पता चला कि शव दफन करने ग्राम सभा प्रस्ताव पारित किया गया था जबकी बड़े तेवड़ा ग्राम पंचायत में शव दफन को लेकर किसी भी प्रकार से कोई प्रस्ताव नहीं किया गया था, जबकि धर्मांतरित बड़े तेवड़ा के सरपंच ने तुमसनार गांव का ग्राम सभा प्रस्ताव हाईकोर्ट में प्रस्तुत किया है जिसमें ग्राम सभा अध्यक्ष का हस्ताक्षर भी फर्जी है, जिससे पता चलता है कि बड़े तेवड़ा सरपंच राजमन सलाम न द्वारा ग्रामीणों के विरोध के बाद भी अपने पिता का शव दफन करने फर्जी ग्राम सभा प्रस्ताव बनाया, बड़े तेवड़ा गांव में हुए विवाद भी कूट रचित थी, शव दफन करने धर्मांतरित व्यक्तियों को बुलाकर गांव के माहौल को खराब करने की साजिश किया गया था।

प्रयास विद्यालय व भीरागांव स्कूल के 5-5 और पीएमश्री स्कूल के 3 छात्रों को मिली सफलता

जिले के विद्यार्थियों ने जेईई में रचा इतिहास, 25 छात्र जेईई एडवांस के लिए किया क्वालीफाई

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर / उत्तर बस्तर कांकेर 24 अप्रैल 2026 जिले के विद्यार्थियों ने जेईई (द्वितीय चरण) परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए इतिहास रचा है। घोषित परिणामों के अनुसार कुल 25 विद्यार्थियों ने जेईई एडवांस के लिए क्वॉलीफाई किया है, जो जिले की बड़ी उपलब्धि है। इसके अलावा लगभग 24 छात्र एनआईटी, आईआईटी एवं अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश के लिए पात्र हैं। इस उल्लेखनीय सफलता के पीछे छात्रों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों का मार्गदर्शन और शिक्षा विभाग के 'हमर लक्ष्य' अभियान की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसके तहत विद्यार्थियों को निःशुल्क कोचिंग, विषय विशेषज्ञों का मार्गदर्शन और नियमित टेस्ट सिरीज की सुविधा प्रदान की गई थी। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह जिले की सुदृढ़ होती शिक्षा व्यवस्था का सकारात्मक परिणाम है। उन्होंने सभी सफल विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। जिला पंचायत के सीईओ हरेश मंडावी ने भी विद्यार्थियों, शिक्षकां और अभिभावकों को उनके अथक परिश्रम, सही दिशा और आत्मविश्वास से मिली सफलता के लिए बधाई दी है। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि जेईई के दूसरे चरण की परीक्षा में जिले के कुल 25 विद्यार्थियों ने क्वालीफाई किया है। इनमें शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भीरागांव और प्रयास आवासीय विद्यालय कांकेर के 5-5 तथा पीएमश्री विद्यालयों के 03 विद्यार्थी शामिल हैं। सफल विद्यार्थियों में प्रयास विद्यालय कांकेर के सौरभ कुमार मंडावी (82.34 प्रतिशत) ने जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि हायर सेकण्डरी स्कूल आंवरी के लोचन पटेल ने (81.06 प्रतिशत) द्वितीय एवं मल्लिका मरकाम (78.19 प्रतिशत) के साथ तृतीय स्थान पर रहीं। इसके अलावा प्रयास विद्यालय की वेदिका (77.77) एवं तनूजा नेताम (77.66), उमावि भीरागांव की चंचल (76.84), पीएमश्री दुर्गाकोंदल के भूपेश कुमार (76.45), उमावि भीरागांव के हर्षल कुमार (75.98), भूपेन्द्र माहवे (73.03), पीएमश्री दुर्गाकोंदल के करण (72.62), हायर सेकण्डरी स्कूल लोहत्तर के भावेश कुमार (71.99), हायर सेकण्डरी स्कूल अमोड़ा की पायल वट्टी (69.71), पीएमश्री अंतागढ़ की बीना उसेण्डी (64.41 प्रतिशत)। इसी प्रकार हायर सेकण्डरी स्कूल भीरागांव की सुषमा कोमरा (62.89), हायर सेकण्डरी स्कूल बोंदानार के अरूण कुमार (62.69), हायर सेकण्डरी स्कूल हाटकोंदल के धर्मेन्द्र कुमार (61.71), हायर सेकण्डरी स्कूल आमाकड़ा के गितेश कुमार (60.24), हायर सेकण्डरी स्कूल बोंदानार की सिमरन मरकाम (58.62), बालक हायर सेकण्डरी स्कूल अंतागढ़ की पार्वती वट्टी (56.96), हायर सेकण्डरी स्कूल बोंदानार कोण्डे के रोशन (56.75), हायर सेकण्डरी स्कूल भीरागांव की प्रतिभा नायक (55.71), हायर सेकण्डरी कन्या स्कूल अभनपुर की प्रेरणा वट्टी (55.52), हायर सेकण्डरी स्कूल लोहत्तर की साक्षी (54.94) तथा हायर सेकण्डरी स्कूल कोण्डे की विद्यार्थी राखी ने (52.94 प्रतिशत) अंक हासिल कर जेईई एडवांस के लिए क्वालीफाई किया है। यह सफलता जिले में विकसित हो रहे सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण, गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन एवं विद्यार्थियों के बढ़ते आत्मविश्वास का प्रतीक है।

कांकेर जिला शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान स्थापित कर रहा है और भविष्य में और भी बड़ी उपलब्धियों की अपेक्षा की जा रही है। जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी प्राचार्यों को काउंसिलिंग एवं सी-सैट काउंसिलिंग पर ध्यान देने तथा मॉडल शिक्षक के माध्यम से बच्चों का काउंसिलिंग कराने के लिए निर्देशित किया गया है। उन्होंने बताया कि यह प्रक्रिया शीघ्र ही शासन द्वारा प्रारंभ की जाएगी। क्वॉलीफाइड एक भी छात्र काउंसिलिंग से वंचित न हों, इस बात का विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं।

खरसिया नगरपालिका में भ्रष्टाचार चरम पर: पूरी नगरपालिका में कुछ चहेते ठेकेदारों का ही राज-पाठ

अध्यक्ष उपाध्यक्ष के इन चहेतो के सभी कार्यों के जांच की मांग

खरसिया/मूक पत्रिका

नगरपालिका खरसिया इन दिनों बड़ी चर्चा में बना हुआ है। चर्चा में अपने अच्छे काम को लेकर नही बल्कि भ्रष्टाचार को लेकर चर्चा में है। सभी इस बात से वाकिफ है कि चाहे बिना टेंडर प्रक्रिया के चौपाटी निर्माण कार्य जो की पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बना था या फिर बिना कार्य किए ही बड़ी राशि निकाल लेना इस प्रकार के अनेक कारनामे कर नगरपालिका खरसिया इन दोनो बड़ा नाम कमा रहा है। खरसिया नगरपालिका का कोई भी काम या टेंडर हो तो वह नगरपालिका अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष महोदय के कुछ चुनिंदा चहेते ठेकेदारों को ही काम मिलेगा चाहे वो उसमे जनता के पैसों की धनिया बो दे।

इसी प्रकार का एक मामला अभी वर्तमान में सामने आया है वार्ड नंबर 8 गैस एजेंसी के बगल में तुर्री भांटा नाली निर्माण कार्य, लखीराम आडिटोरियम के सामने तालाब बाउंड्री कार्य, पुराना मरघट्टी निर्माण कार्य, नाली निर्माण कार्य एवं स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में तो

कामों में इतनी अनियमितता देखी जा रही है की ये सभी निर्माण इनके शासन काल के पूर्ण होने तक भी सुरक्षित रह जाए तो भी बहुत बड़ी बात होगी। जहां असल में जिस चीज की जरूरत है वहां तो इनके द्वारा ना कुछ ध्यान दिया जा रहा ना ही एक नाली बनाई जा रही बल्कि जहां पहले से ही निर्माण हो चुका है वहा थोड़ी बहुत तोड़फोड़ करके उसको ठीक करके पूरा नए निर्माण का पैसा निकल लिया जा रहा है। लगातार चल रहे इस प्रकार के भ्रष्टाचार के बावजूद जवाबदार अधिकारियों की चुप्पी बहुत कुछ कहती है।

मैं हमारे मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री श्री अरूण साव, वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी, माननीय रायगढ़ कलेक्टर एवं संबंधित सभी जवाबदार अधिकारियों से इन उक्त ठेकदारों के सभी काम एवं इनके द्वारा निकालें गए पेमेंट तथा इनके बैंक खातों की जांच की मांग करता हूं। मुझे पूरा विश्वास है करोड़ों की राशि का गमन ये चहेते ठेकेदारों द्वारा लगातार किया जा रहा है और ये सभी इनके द्वारा किए गए एवं किए जा रहे सभी कार्यों में घोर अनियमितता सामने आएगी।

हाई कोर्ट का बड़ा फैसला: डूबकर मौत के मामले में मुआवजा देने का आदेश,रायगढ़ कलेक्टर का निर्णय निरस्त

रायगढ़/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में पानी में डूबकर हुई मृत्यु के एक महत्वपूर्ण मामले में माननीय उच्च न्यायालय, बिलासपुर ने बड़ा फैसला सुनाते हुए कलेक्टर रायगढ़ द्वारा पारित आदेश को निरस्त कर दिया है तथा पीड़ित परिवार को राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत मुआवजा राशि प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम देवरी, थाना भूगदेवपुर निवासी स्वर्गीय भरत लाल यादव की मृत्यु दिनांक 09 मार्च 2024 को मांड नदी में स्नान के दौरान आकस्मिक रूप से डूबने के कारण हो गई थी। घटना के पश्चात उनकी पत्नी गीता यादव ने वर्ष 2024 में शासन की मुआवजा योजना के अंतर्गत सहायता राशि प्राप्त करने हेतु जिला प्रशासन, रायगढ़ के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया था।प्रकरण की जांच के दौरान थाना भुगदेवपुर द्वारा प्रस्तुत अंतिम प्रतिवेदन में उल्लेख किया गया कि

मृतक शौच के बाद नदी से पानी छूते समय चक्कर आने के कारण नदी में गिर गए, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। इसके आधार पर कलेक्टर रायगढ़ द्वारा वर्ष 2026 में मुआवजा प्रकरण को निरस्त कर दिया गया था।कलेक्टर के इस निर्णय से असंतुष्ट होकर मृतक की पत्नी गीता यादव ने माननीय उच्च न्यायालय, बिलासपुर का रुख किया। यह याचिका अधिवक्ता सी.एस. चौहान मो. 7999745412 के माध्यम से प्रस्तुत की गई, जिसका प्रकरण क्रमांक डब्ल्यूपीसी/1833/2026 है। माननीय उच्च न्यायालय ने दोनों पक्षों की दलीलों, प्रस्तुत दस्तावेजों एवं साक्ष्यों का अवलोकन करते हुए प्रथम सुनवाई में ही दिनांक 23 अप्रैल 2026 को महत्वपूर्ण आदेश पारित किया। न्यायालय ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि उक्त प्रकरण में मुआवजा दिया जाना उचित है तथा कलेक्टर द्वारा पारित आदेश को निरस्त करते हुए पीड़िता को राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के अंतर्गत मुआवजा राशि प्रदान करने के निर्देश दिए।न्यायालय के इस निर्णय के बाद जिला प्रशासन पर आदेश के शीघ्र पालन का दायित्व बढ़ गया है। पीड़िता गीता यादव ने प्रशासन से न्यायालय के निर्देशों का तत्काल पालन करते हुए मुआवजा राशि शीघ्र प्रदान करने की मांग/निवेदन की है।

यह फैसला न केवल पीड़ित परिवार के लिए राहतपूर्ण है, बल्कि ऐसे अन्य मामलों के लिए भी एक महत्वपूर्ण मिसाल के रूप में देखा जा रहा है, जहां प्रशासनिक स्तर पर मुआवजा दावों को अस्वीकार कर दिया जाता है।

मनोज बाजपेयी के बर्थडे पर विपुल अमृतलाल शाह ने 'गवर्नर' के फर्स्ट लुक पोस्टर को किया जारी, जल्द होगी सिनेमाघरों में रिलीज!।

जित मुंबई/मूक पत्रिका

विपुल अमृतलाल शाह ने कई लीक से हटकर फिल्में दी हैं और अब वो एक और दिलचस्प प्रोजेक्ट लेकर आने के लिए तैयार हैं। ताजा अपडेट के मुताबिक, उनकी आने वाली फिल्म के पोस्टर्स सामने आ गए हैं, जिसमें फिल्म के नाम के साथ-साथ एक रहस्यमयी सस्पेंस भी नजर आ रहा है। 'गवर्नरः द साइलेंट सेवियर' नाम की इस फिल्म ने मनोज बाजपेयी के जन्मदिन के मौके पर अपने पहले पोस्टर के साथ ही लोगों के बीच जबरदस्त उत्सुकता पैदा कर दी है। बिना ज्यादा कुछ बताए बहुत कुछ कह जाने वाला 'गवर्नरः द साइलेंट सेवियर' का यह पहला पोस्टर रिवील कर दिया गया है, जिसे चिन्मय मांडलेकर ने डायरेक्ट किया है। इसमें

मनोज बाजपेयी पीछे से नजर आ रहे हैं, जो हाथ में एक सूटकेस लिए कॉरिडोर में चल रहे हैं। इसके साथ ही फिल्म की टैगलाइन है, ÷अगर मैं फेल हुआ... तो इंडिया फेल हो जाएगा,÷ जो एक हाई-वोल्टेज लीगल ड्रामा की तरफइशारा करती है। एक दूसरे पोस्टर में, एक हरी कुर्सी को हाईलाइट किया गया है जिस पर टैगलाइंस लिखी हैं, ÷इंडिया दिवालिया होने की कगार पर है÷ और ÷यह सिर्फ कुर्सी नहीं... ज़िम्मेदारी है।÷ यह देश के इर्द-गिर्द बुनी गई एक गंभीर और गहरी कहानी की ओर इशारा करता है। यह फिल्म विपुल अमृतलाल शाह और मनोज बाजपेयी का पहला साथ काम होगा। जब ये दो नेशनल अवॉर्ड विनर्स एक साथ आ रहे हैं, तो वाकई यह एक अलग तरह का सिनेमाई जादू होने वाला है, जो बड़े पर्दे पर रिलीज के लिए तैयार है। मनोज बाजपेयी के जन्मदिन पर फिल्म का पोस्टर रिलीज होने से यह मौका वाकई और भी खास हो गया है। अपनी बेहतरीन एक्टिंग, जबरदस्त स्क्रीन प्रेजेंस और किरदारों पर अपनी पकड़ के लिए मशहूर मनोज बाजपेयी, इस फिल्म में भी एक यादगार परफॉर्मेंस देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने पहले ही अपनी शानदार एक्टिंग से इंडस्ट्री में एक बड़ा मुकाम हासिल किया है। 'सनशाइन पिक्चर्स' के बैनर तले बन रही यह फिल्म एक और इंटेंस ड्रामा होने का वादा करती है।

रायगढ़ में 37 लाख की साइबर ठगी का खुलासा: 'डिजिटल अरेस्ट' गैंग का भंडाफोड़, 5 अंतर्राज्यीय आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़/मूक पत्रिका

रायगढ़ साइबर पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर की गई बड़ी साइबर ठगी का पर्दाफाश करते हुए राजस्थान के भीलवाड़ा से महिला समेत 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने एक सेवानिवृत्त अधिकारी से करीब 36.97 लाख रुपये की ठगी की थी।

फर्जी अधिकारी बनकर रचते थे ठगी का जाल

आरोपी खुद को टेलीकॉम अधिकारी, पुलिस और सीबीआई अधिकारी बताकर लोगों को मनी लॉन्ड्रिंग और गिरफ्तारी का डर दिखाते थे। इसके बाद डिजिटल अरेस्ट के नाम पर रकम ट्रांसफर करवा लेते थे।

रिटायर्ड अधिकारी को बनाया शिकार

पीड़ित नरेन्द्र ठाकुर (सेवानिवृत्त विद्युत विभाग पर्यवेक्षक) को फोन और वीडियो कॉल के माध्यम से डराकर 30 जनवरी से 11 फरवरी 2026 के बीच अलग-अलग बैंक खातों में कुल 36,97,117 रुपये ट्रांसफर कराए गए।

तकनीकी जांच से खुला नेटवर्क

साइबर पुलिस ने बैंक ट्रांजैक्शन और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच करते हुए भीलवाड़ा (राजस्थान) में आरोपियों का सुराग लगाया। इसके बाद विशेष टीम ने दबिश देकर 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

गिरोह का मास्टरमाइंड बैंक कर्मचारी

गिरफ्तार आरोपियों में राहुल व्यास (बंधन बैंक कर्मचारी) मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। गिरोह में वेब डेवलपर सहित कई तकनीकी रूप से दक्ष लोग शामिल थे, जो संगठित तरीके से साइबर ठगी को अंजाम देते थे।

देशभर में 1.40 करोड़ से अधिक की ठगी

जांच में सामने आया है कि यह गिरोह देश के अलग-अलग राज्यों में करीब 1 करोड़ 40 लाख रुपये से अधिक की साइबर ठगी कर चुका है। आरोपियों के खातों में बड़ी रकम के ट्रांजैक्शन मिले हैं, जिन्हें सीज किया गया है।

मोबाइल, लैपटॉप और बैंक खाते जब्त

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 7 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप और कई संदिग्ध बैंक खातों की जानकारी जुटाई है। सभी आरोपियों को ट्रांजिट रिमांड पर रायगढ़ लाया गया है।

एसएसपी का अलर्ट: डिजिटल अरेस्ट से रहें सावधान

एसएसपी शशि मोहन सिंह ने लोगों से अपील की है कि किसी भी फर्जी कॉल से घबराएं नहीं। कोई भी सरकारी एजेंसी फोन पर पैसे ट्रांसफर नहीं कराती। ऐसे मामलों में तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत करें।

भू-माफिया ने कब्जाई जमीन, तान दिया सामुदायिक भवन, तालाब और नाले पर अवैध निर्माण

रायगढ़/मूक पत्रिका

बरसात में ऐसे कई मोहल्ले हैं जो डूब जाते हैं। पानी निकासी के रास्ते पर अतिक्रमण के कारण पानी जाम हो जाता है। भुजबंधान तालाब का क्षेत्र इस बार भी तकलीफ में रहेगा क्योंकि जिस नाले और डबरी की सफाई की जानी है, उस पर से अतिक्रमण ही नहीं हटाया गया। बावलीकुआं और धांगरडीपा मोहल्ले के लोगों ने पिछले साल लिखित शिकायत भी की थी। भुजबंधान तालाब की डबरी से अतिक्रमण हटाकर नाले की सफाई नहीं की गई तो बावलीकुआं से लेकर धांगरडीपा और बैकुंठपुर एरिया के झाखर गली के भी सभी घर जलमग्न हो जाएंगे। बारिश में पानी की निकासी नहीं होती है। गर्मी में भी डबरी से पानी की निकासी नहीं हो पा रही है और सडक़ पर मोहल्ले की गली में ही नाले का गंदा पानी बह रहा है। हर बार बारिश में नालियों का गंदा पानी मोहल्ले के घरों में घुस जाता है। घरों के ढहने की स्थिति बन जाती है। लंबे समय से लोग मांग कर रहे हैं कि बावलीकुआं क्षेत्र में स्थित भुजबंधान तालाब एवं डबरी पर अतिक्रमण हटवाने, जेसीबी व पोकलेन से डबरी की साफ-सफाई कराने एवं जल निकासी की समुचित व्यवस्था करवाना सुनिश्चित करें। बताया जा रहा है कि नाली बनाने के लिए राशि भी स्वीकृत की गई है। लेकिन जमीन पर निर्माण नहीं हो पा रहा है। क्षेत्र के कुछ भू-माफिया निजी जमीन बताकर काम नहीं होने दे रहे हैं।

मिला था अतिक्रमण, कार्रवाई नहीं की

तहसीलदार रायगढ़ के आदेश पर 16 मई 2025 को राजस्व निरीक्षक ने बैकुंठपुर की शासकीय भूमि खनं 157 रकबा 2.225 हे. का सीमांकन किया था। वार्ड 2, वार्ड 14 और वार्ड 16 के पार्षदों की मौजूदगी में सीमांकन हुआ। जांच में पाया गया कि उक्त खसरे में सामुदायिक भवन, कांक्रीट रोड बना दी गई। रोड बनने के कारण भूमि दो भागों में बंट गई। एक हिस्से में तालाब है और दूसरे भाग में अतिक्रमण करवाया गया। इस पर कार्रवाई अब तक नहीं हो सकी है। यहीं खसरा नंबर 178/1 रकबा 0.348 हे. और खनं 178/2 रकबा 0.0200 हे. भी शासकीय भूमि है, जिस पर कब्जा है।

कृष्णा बिल्डकॉन का लालाधुर्वा पंचायत पर दबदबा, लगातार नियम के विरुद्ध फ्लाई ऐश डंप, पर्यावरण विभाग का खुला संरक्षण

सारंगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़ तहसील के ग्राम लालाधुर्वा में कृष्णा बिल्डकॉन द्वारा फ्लाई ऐश डंपिंग को लेकर गंभीर मामला सामने आए हैं। सूत्रों बताते है कि कई महीनों से नियमों को दरकिनार कर बड़े पैमाने पर फ्लाई ऐश डंप किया जा रहा है, लेकिन स्थल पर आवश्यक सूचना बोर्ड तक नहीं लगाए गए हैं। न ही यह स्पष्ट किया गया है कि डंपिंग के लिए अनुमति किस अवधि और किस शर्त पर दी गई है। न ही गढ्ढा पर कोई भी ऐसा सूचना बोर्ड नहीं है जिससे पता चले कि फ्लाई ऐश कौन सा कंपनी से लाया जा रहा है।

पर्यावरण और जल स्रोत पर खतरे की आकांक्षा

कृष्णा बिल्डकॉन के डंपिंग कि जिस स्थान पर फ्लाई ऐश डंपिंग की

जा रही है वहां महानदी से जुड़ी नाले के पास स्थित है ऐसी स्थिति में बारिश या बहन के दौरान यह रात नदी तक पहुंच सकती है जिसे जल स्रोत पशु पक्षियों और मानव स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

विभागीय निगरानी पर सवाल, संरक्षण के आरोप

स्थानीय लोगों में यह बात तेजी से फैलता जा रहा है कि संबंधित विभाग की ओर से निगरानी नहीं की जा रही है बस एनओसी देने के बाद जगह स्थल का निरीक्षण नहीं किया जाता और नियम के पालन की जांच नहीं की जा रही है जिससे डंपिंग को बढ़ावा मिल रहा है फ्लाई ऐश डंप को देखते पर्यावरण विभाग मिलीभगत का बात सामने आई है। अब पर्यावरण विभाग के अधिकारी अंकुर साहू इस विषय पर क्या जांच करते हैं या फिर अवैध फ्लाई ऐश ट्रांसपोर्टरों को अभयदान जिया गया है ये तो समय आने पर ही पता चलेगा।

जनगणना 2027 की तैयारी तेज: जागरूकता को लेकर कार्यशाला आयोजित, तहसीलदार ने की स्व-गणना करने की अपील..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ में जनगणना 2027 को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। शासन-प्रशासन अब सीधे गांवों तक पहुंचकर लोगों को जागरूक कर रहा है। इसी कड़ी में ग्राम पंचायत पंचधार में कार्यशाला का आयोजन किया गया, जहां सरिया तहसीलदार कोमल प्रसाद साहू ने ग्रामीणों को जनगणना की प्रक्रिया समझाई और सभी से स्व-गणना करने की अपील की। कार्यशाला में मौके पर ही कई लोगों ने मोबाइल के माध्यम से अपनी जानकारी भरकर स्व-गणना पूरी भी की।कार्यशाला में मौजूद भाजपा मंडल महामंत्री महेश बारीक ने बताया कि स्व-गणना की प्रक्रिया बेहद आसान है और इसे मोबाइल के जरिए कुछ ही स्टेप्स में पूरा किया जा सकता है। वहीं पत्रकार हेमंत पटेल ने भी मौके पर उपलब्ध जानकारी के आधार पर स्व-गणना भरकर प्रक्रिया को समझा। इस दौरान पटवारी, सचिव, सरपंच-उप सरपंच सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भी उत्साह के साथ भाग लेते हुए अपने मोबाइल से जानकारी भरकर सबमिट किया।बता दें कि प्रशासन की ओर से पहले ही कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे द्वारा स्व-गणना कर जिलेवासियों को प्रेरित किया जा चुका है। उन्होंने शिक्षित नागरिकों से अपील की है कि वे आगे आकर इस प्रक्रिया में भाग लें और सही व पूर्ण जानकारी दर्ज करें, ताकि जनगणना का काम सटीक और सफल हो सके। अधिकारियों का कहना है कि इस बार डिजिटल माध्यम से जनगणना को अधिक सरल और पारदर्शी बनाया गया है। जनगणना 2027 के पहले चरण के तहत 1 मई से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य किया जाएगा। इससे पहले 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक स्व-गणना की सुविधा दी गई है। इच्छुक नागरिक आधिकारिक पोर्टल https://se.census.gov.in/ पर जाकर अपने परिवार और मकान की जानकारी स्वयं दर्ज कर सकते हैं। स्व-गणना के बाद प्रत्येक परिवार को एक यूनिक आईडी दी जाएगी, जिसे सुरक्षित रखना जरूरी होगा, क्योंकि सत्यापन के दौरान प्रगणक को यही आईडी दिखानी होगी।

अधूरे और अप्रारंभ कार्य तुरंत शुरू करने के निर्देश, देरी पर होगी कार्रवाई

पंचायत सचिवों और रोजगार सहायकों को निर्देश गुणवत्ता से समझौता नहीं होगा, लापरवाही पर कार्रवाई तय - कलेक्टर

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने जनपद पंचायत पामगढ़ के सभाकक्ष पंचायत में पंचायत सचिवों, तकनीकी सहायक एवं रोजगार सहायकों की बैठक लेकर ग्रामीण विकास कार्यों की गहन समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि ग्राम पंचायत ही ग्रामीण विकास की मूल इकाई है और यहां होने वाले निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बैठक के दौरान ग्राम पंचायत ससहा में निर्माणाधीन मंच कार्य में गुणवत्ताहीनता पाए जाने पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त

करते हुए संबंधित आरईएस उप अभियंता को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी अप्रारंभ कार्यों को तत्काल शुरू करने और समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने लापरवाही या अनदेखी पाए जाने पर सख्त प्रशासनिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की प्रगति की समीक्षा की। कलेक्टर ने योजना में पारदर्शिता सुनिश्चित करने कहा,उन्होंने निर्देशित किया यदि कहीं भी अनियमितता की शिकायत प्राप्त होती है, तो संबंधितों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि सुशासन तिहार के तहत 1 मई से 10 जून 2026 तक जन समस्या निवारण शिविर आयोजित किए जाएंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में 15 से 20 ग्राम पंचायतों के समूह के आधार पर शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में न केवल जन समस्याओं का समाधान किया जाएगा। उन्होंने शिविरों में आम नागरिकों के लिए छाया, पेयजल, बैठक सहित सभी मूलभूत व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने शासन के निर्देशनुसार विकास के लिए सुनियोजित एवं समयबद्ध 5 वर्षीय गाँव की आवश्यकता अनुसार परिप्रेक्ष्य योजना तैयार करने कहा। उन्होंने ग्राम सभाओं एवं स्थानीय निकायों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए आवश्यकताओं का आकलन तैयार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि 5 वर्षीय योजना में प्राथमिकता वाले क्षेत्र जैसे पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण के साथ-साथ सड़क एवं सिंचाई जैसे विकास को विशेष रूप से शामिल किया जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि प्रत्येक वर्ष की वार्षिक योजना, 5 वर्षीय परिप्रेक्ष्य योजना के अनुरूप तैयार की जाए तथा पूर्व वर्षों की उपलब्धियों एवं ग्राम की मुख्य आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए लक्ष्य निर्धारित किए जाएं।

कलेक्टर ने जल संरक्षण को लेकर कहा की अधिक से अधिक जल संरचनाओं, सोक पिट, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, डबरी, चेकडैम, नवा तरिया एवं अन्य संरचनाओं का निर्माण प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है, इसलिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में जनभागीदारी के साथ कार्यों को तेज गति से पूर्ण किया जाए। साथ ही ग्राम स्तर पर लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक कर उन्हें इस अभियान से जोड़ने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे नियमित मॉनिटरिंग करें, फील्ड में जाकर कार्यों का निरीक्षण करें और हितग्राहियों को समय पर योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करें, ताकि शासन की मंशा के अनुरूप ग्रामीण विकास कार्य प्रभावी ढंग से धरातल पर दिखाई दे।

टेलीग्राम पर 'डबल मुनाफा' का झांसा देकर 27 लाख की ठगी, 2 आरोपी गिरफ्तार ...

चाम्पा । जिले में साइबर ठगी का एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां टेलीग्राम के जरिए निवेश पर दोगुना मुनाफा दिलाने का लालच देकर एक युवक हो 227.26 लाख से अधिक की ठगी की गई। साइबर थाना चांपा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस मामले में दो आरोपियों को ओरंगाबाद से गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाना चांपा क्षेत्र के निवासी 32 वर्षीय राजेश कुमार सोनी ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कटाई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसके मोबाइल में टेलीग्राम एप के माध्यम से 7 दिसंबर 2025 को एक युवती ने संपर्क कर निवेश कंपनी में पेसा लगाने पर भारी मुनाफे का झांसा दिया। इसके बाद उसे एक टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ा गया, जहां कई लोग लगातार निवेश के लिए प्रेरित कर रहे थे।

संपादकीय

सियासत के फेर में फंसा महिला आरक्षण का हक

किसी भी संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत की जरूरत होती है, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद सरकार जरूरी समर्थन हासिल नहीं कर सकी। इसमें कोई दोराय नहीं कि विधायिका में महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने के लिए सरकार और सभी विपक्षी दलों को एक ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ काम करना चाहिए। मगर यही मुद्दा जब राजनीतिक लाभ उठाने का जरिया बनने लगता है, तब इस पर सवाल उठने लगते हैं। बीते हफ्ते सरकार ने महिला आरक्षण से जुड़ा 131वां संशोधन विधेयक पेश किया, लेकिन जरूरी समर्थन न मिल पाने की वजह से वह लोकसभा में गिर गया।गौरतलब है कि किसी भी संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत की जरूरत होती है, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद सरकार जरूरी समर्थन हासिल नहीं कर सकी। हालांकि इस बार परिसीमन विधेयक में संशोधन के लिए जिस तरह महिला आरक्षण का मसला भी जुड़ा हुआ था, उसमें इस मुद्दे पर दो-तिहाई सांसदों को अपने पक्ष में खड़ा कर पाना सरकार के लिए मुश्किल था। यानी पहले ही यह माना जा रहा था कि लोकसभा में संशोधन विधेयक पारित कराना मुमकिन नहीं हो पाएगा। इसके बावजूद यह विचित्र है कि सरकार ने इस पर जोर-आजमाइश करने की कोशिश की।दरअसल, इस संशोधन विधेयक का उद्देश्य यह बताया गया था कि इससे लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित किया जा सकेगा। साथ ही, 2026 से पहले की जनगणना के आधार पर राज्यों में सीटों के परिसीमन की इजाजत दी जाएगी और लोकसभा में सीटों की संख्या 543 से बढ़ा कर 850 की जाएगी। मगर चूंकि परिसीमन के साथ उलझे इस मुद्दे पर सरकार को जरूरी संख्या बल का समर्थन नहीं मिल सका, इसलिए अब भाजपा विधानसभा चुनावों के प्रचार के दौरान यह आरोप लगाने की कोशिश कर सकती है कि विपक्षी पार्टियां महिलाओं को भागीदारी देने का समर्थन नहीं करतीं। सवाल है कि महिलाओं की विधायिका में आरक्षण से संबंधित जो विधेयक वर्ष 2023 में ही पारित होकर संविधान का हिस्सा बन चुका था, उसे फिर से तब क्यों लाया गया, जब कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। यह बेवजह नहीं है कि इस संशोधन विधेयक को लाए जाने के समय को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।ऐसा लगता है कि इस विधेयक की जटिलता और उसके पारित होने के सामने खड़ी चुनौतियों की तस्वीर चूंकि लगभग साफ थी, इसलिए इसे राज्यों में जारी चुनावी प्रक्रिया के बीच महिलाओं का समर्थन हासिल करने वाले एक अहम मुद्दे के रूप में भी देखा गया। शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश के नाम संबोधन में भी यह साफ दिखा, जिसमें उन्होंने महिला आरक्षण से जुड़े इस संशोधन विधेयक के पारित न होने के लिए विपक्षी दलों को जिम्मेदार बताया।मगर विधेयक में जिस तरह सरकार ने आरक्षण व्यवस्था को नए परिसीमन और लोकसभा के विस्तार के ढांचे से जोड़ कर पेश किया था, उसमें वह किस तरह के समर्थन की उम्मीद कर रही थी। महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ-साथ खासतौर पर परिसीमन के मुद्दे पर तमिलनाडु सहित दक्षिण भारत के राज्यों की जैसी प्रतिक्रिया थी, उसमें विपक्षी दलों के समर्थन या विरोध की तस्वीर एक तरह से पहले से साफ थी।

राजनीति में महिलाओं की राह मुश्किल, क्या आरक्षण बनेगा पितृसत्ता को तोड़ने का निर्णायक हथियार?

जनतंत्र में गजब की ताकत होती है। यह चीजों को विद्युत गति से उलट-पुलट कर देने की क्षमता रखता है। इसी क्षमता के कारण यह मुरझा तो सकता है, पर कभी मरता नहीं है। यह सिर्फ चुनाव की पद्धति या प्रशासन का तरीका मात्र नहीं है, बल्कि गैरबराबरी को समाप्त करने का सबसे सशक्त माध्यम है। यही कारण है कि स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण ने उन्हें 'मैं भी हूं' और 'मैं भी कर सकती हूं' का अहसास कराया। वोट तो पहले भी दे रही थीं, पर उनमें नेतृत्व करने का आत्मविश्वास अंकुरित नहीं हो पाया था। आरक्षण ने शिक्षित-अशिक्षित, गरीब-अमीर, सामंती सोच आदि की दीवारों को एक झटके में तोड़ दिया। आज हजारों की संख्या में महिला सरपंच हैं और अन्य स्थानीय निकायों में उनकी उपस्थिति है। महिला चेतना तब परिवार की राय के अधीन थी, अब नीतियों के निर्धारण, विकास के कार्यक्रमों और सार्वजनिक गतिविधियों में सशक्त हिस्सेदारी देखी जा रही है।

(राकेश सिन्हा)

लोकतंत्र का मूल भाव योग्यता की खोज और नेतृत्व की पात्रता का सृजन करना होता है। इसके इतर होने पर जाति धर्म, क्षेत्र, संप्रदाय, भाषा की संकीर्ण भूमिका बढ़ने लगती है।

एक समय वह था और एक समय यह है। वर्षों पूर्व स्कूल की छुट्टी में जब मैं शहर से गांव गया तब एक कैलेंडर मेरे पास था। उसमें गाड़ी चलाती हुई एक महिला की तस्वीर थी। मेरे पड़ोस की एक नवविवाहिता, जो घूंघट में थी, उसे देखकर विस्मय कर रही थी। समय बीता। कुछ वर्ष पूर्व गांव में जब था, तो वही महिला स्थानीय निकाय की उम्मीदवार थी और अपने लिए घर-घर जाकर वोट मांग रही थी। उन्हें देखकर पुरानी बातें मेरे स्मृति-पटल पर उभर कर सामने आ गईं।

जनतंत्र में गजब की ताकत होती है। यह चीजों को विद्युत गति से उलट-पुलट कर देने की क्षमता रखता है। इसी क्षमता के कारण यह मुरझा तो सकता है, पर कभी मरता नहीं है। यह सिर्फ चुनाव की पद्धति या प्रशासन का तरीका मात्र नहीं है, बल्कि गैरबराबरी को समाप्त करने का सबसे सशक्त माध्यम है। यही कारण है कि स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण ने उन्हें 'मैं भी हूं' और 'मैं भी कर सकती हूं' का अहसास कराया। वोट तो पहले भी दे रही थीं, पर उनमें नेतृत्व करने का आत्मविश्वास अंकुरित नहीं हो पाया था। आरक्षण ने शिक्षित-अशिक्षित, गरीब-अमीर, सामंती सोच आदि की दीवारों को एक झटके में तोड़ दिया। आज हजारों की संख्या में महिला सरपंच हैं और अन्य स्थानीय निकायों में उनकी उपस्थिति है। महिला चेतना तब परिवार की राय के अधीन थी, अब नीतियों के निर्धारण, विकास के कार्यक्रमों और सार्वजनिक गतिविधियों में सशक्त हिस्सेदारी देखी जा रही है।

इसीलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का महिला आरक्षण का आग्रह चेतना को स्थानीयता के पिंजरे से बाहर निकालकर उसे राष्ट्रीय क्षितिज पर लाने का उपक्रम है। यों महिलाओं की भागीदारी पहले भी रही है। सुचेता कृपलानी उत्तर प्रदेश की पहली महिला मुख्यमंत्री बनीं। इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री रहीं। संविधान सभा की सभी पंद्रह महिलाएं पूर्णिमा बनर्जी से लेकर एन्नी मास्करेने तक की पृष्ठभूमि कुलीन थी। जमीनी प्रतिनिधित्व का विषय तब मस्तिष्क में भी नहीं था। इसलिए आम महिला की चेतना को इस संक्षिप्त और सांकेतिक भागीदारियों से जगाया नहीं जा सका।

राजनीति में प्रवेश, पुरुषों के लिए सामान्य बात ही नहीं, उनका 'पुरुषार्थ' माना जाता है, तो महिलाओं के लिए यह जोखिम उठाने वाला हो जाता है। इसलिए भागीदारी प्राप्त करने में उन्हें अनेक बाधाओं को पार करना होता है। लोकसभा में महिला आरक्षण का प्रावधान राजनीति में व्याप्त पितृसत्तात्मक सोच और प्रभाव को सदा के लिए दफनाने वाला सुधारवादी से कहीं अधिक क्रांतिकारी कदम हो सकता है।

यह सिर्फ कुछ सौ महिलाओं का लोकसभा में प्रतिनिधित्व ही नहीं बढ़ाएगा, बल्कि जमीन पर हर तबके तथा हर वर्ग की महिलाओं को राजनीतिक विमर्श से जोड़ेगा। वे अब तक विमर्श की पात्र रही हैं, अब वे विमर्श में भागीदार बन रही हैं। महिला सम्मान और अस्तित्व, दोनों ही लंबे समय से विमर्श और सुधारवाद का हिस्सा रहे हैं। इतिहास साक्षी है कि समाज सुधार के प्रश्न पर विरोध के दो ध्रुवों के बीच भी एकता अनैतिक नहीं मानी जाती है। 1829 में सती प्रथा के उन्मूलन में राष्ट्रवादी राजा राममोहन राय और साम्राज्यवादी गवर्नर जनरल बेंटिंक्ट के बीच पूर्ण सहमति थी।

भारत के सुधारकों ने 1921 की जनगणना में अभिव्यक्त तल्ख सच को समाज की अपनी आलोचना से कहीं अधिक समाज के लिए चुनौती और अवसर के रूप में देखा। उसमें रहस्योद्घाटन हुआ था कि शून्य से एक वर्ष की 597, एक से दो वर्ष के बीच के 494 नवजात शिशुओं को विधवा घोषित कर दिया गया था। यह संख्या बढ़ती गई। इस जनगणना की रपट ने स्वामी श्रद्धानंद सहित अनेक राजनीतिकों को गहन समाज सुधार के लिए प्रेरित किया था।

उस सच से इस सच तक पहुंचने में समाज ने अनेक प्रयासों और सुधारों का साक्षात्कार किया है। महिला आरक्षण पर उत्तर-दक्षिण विभाजन का मुद्दा बेमानी है। भौगोलिक संरचना से भारतीय राज्य, समाज और लोकतंत्र अप्रभावित है। राष्ट्र एक जीवंत सांस्कृतिक इकाई है, जो मनुष्य शरीर की तरह है। यह यांत्रिक नहीं है। जिस तरह से शरीर का प्रत्येक अंग जीवन के लिए महत्त्वपूर्ण होता है, उसी तरह मेघालय से मध्य प्रदेश और अरुणाचल से आंध्र प्रदेश राष्ट्र, समाज और राजनीति का प्रतिस्पर्द्धी या विरोधाभासी इकाइयां नहीं हैं। ऐसा होना भारत में संभव नहीं है। हमारी राष्ट्रीय चेतना सांस्कृतिक कारणों से अविभाज्य है। क्षेत्रीय अस्मिता को लोकतंत्र पर आरोपित करने का प्रयास लोकशाही के मूल अर्थ को खो देने जैसा है। संसद मूलतः कानून और कार्यपालिका के लिए जिम्मेदार एक संप्रभु संरचना है। एक सांसद जितना अपने क्षेत्र का प्रतिनिधि है, उससे अधिक उसकी राष्ट्रीय पहचान होती है।

लोकतंत्र का मूल भाव योग्यता की खोज और नेतृत्व की पात्रता का सृजन करना होता है। इसके इतर होने पर जाति धर्म, क्षेत्र, संप्रदाय, भाषा की संकीर्ण भूमिका बढ़ने लगती है। पर यह जनतंत्र उसे धारण करने वालों में अपूर्णता का संकेत है। जिस समाज में राजनीति और जनता के बीच में गैर चुनावी, पर राजनीतिक रूप से सक्रिय पात्रों, संगठनों और सुधारकों को अल्पता होती है, वहां प्रतिस्पर्धी राजनीति बेलगाम हो जाती है। एक समय विनोबा भावे, जयप्रकाश, सिद्धराज ढड्ढा, वीएम तारकुंडे जैसे लोग थे। वे चुनाव नहीं लड़ते थे, पर चुनावी राजनीति पर अंकुश की तरह होते थे।

महिला आरक्षण उसी योग्यता के सृजन का सशक्त माध्यम है। प्रश्न क्यों जरूरी है, उसे एक प्रचलित परंपरा से समझा जा सकता है। मेघालय की खासी जनजाति में पुरुषों की तुलना में महिलाओं की प्रधानता है, पर जब राजनीतिक भागीदारी का प्रश्न आता है, तब उनकी अपनी परंपरागत राजनीतिक संस्था 'दरबार' में यह पूरी तरह प्रतिबंधित है। भले ही यह लोकसभा में अंकगणित के चक्रव्यूह में फंस गया, पर इससे उपजने वाला विमर्श हमें मैत्रेयी-गार्गी तक पहुंचाने की क्षमता रखता है।

भारत में क्यों बढ़ रहा लीवर डैमेज का खतरा?

इन 7 संकेतों को न करें नजरअंदाज

(दिव्यांशी भदौरिया)

वर्ल्ड लिवर डे पर जानें लिवर खराब होने के 7 प्रमुख लक्षण। यदि आपको लगातार थकान, त्वचा का पीलापन, या पेट में सूजन जैसे संकेत दिखें, तो यह गंभीर लिवर समस्या का संकेत हो सकता है, जिसकी तुरंत डॉक्टर से जांच करानी चाहिए।

आज यानी 19 अप्रैल को वर्ल्ड लिवर डे मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य उदेश्य है लिवर से जुड़ी बीमारियों के प्रति जागरुकता फैलाना, शुरुआती पहचान को बढ़ावा देना और लिवर के हेल्थ के लिए प्रति लोगों को सचेत करना है। इस साल की थीम है 'सॉलिड हैबिट्स, स्ट्रांग लिवर' जिसका मतलब है कि मजबूत आदतें, स्वस्थ लिवर है। भारत में लिवर की बीमारियां तेजी से पैर पसार रही हैं। सबसे डराने वाली बात तो यह है कि लिवर की बीमारी के लक्षण तब तक सामने नहीं आते, जब तक कि स्थिति बहुत गंभीर न हो जाए। इसी वजह से लिवर की बीमारियां जल्दी पता नहीं चलती है। हालांकि, कुछ संकतों पर ध्यान देने से बीमारी का पता चल जाता है। आइए आपको इन संकेतों के बारे में बताते हैं।

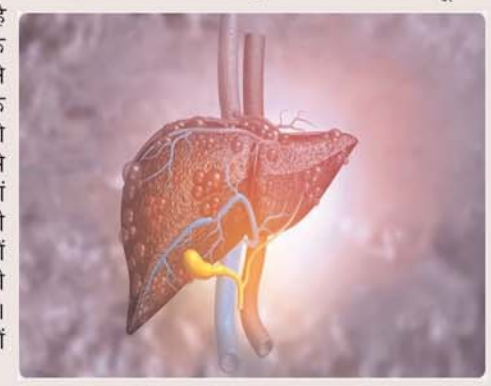

लगातार थकान और कमजोरी महसूस होना: अगर आपको सबसे ज्यादा थकान महसूस होती है तो इसका पहला संकेत यही होता है। जब लिवर ठीक से कम नहीं करता है, तो ब्लड में टॉक्सिंस जमा होने लगते हैं। इससे दिमाग की काम करने की क्षमता और शरीर की एनर्जी प्राभिवत होती है।

त्वचा और आंखों का पीला पड़ना : जब लिवर बिलीरुबिन को ठीक तरह से संभाल नहीं पाता, तो यह शरीर में इकट्ठा होने लगता है। इसके कारण त्वचा और आंखों में पीला रंग दिखाई देने लगता है, जिसे पीलिया का संकेत माना जाता है। आमतौर पर लोग इसी बदलाव को देखकर डॉक्टर से सलाह लेते हैं, लेकिन कई बार तब तक समस्या काफी गंभीर रूप ले चुकी होती है।

भूख में कमी और वजन का अचानक गिरना: अक्सर पाया जाता है कि लिवर खराब होने पर पाचन तंत्र पर सीधा असर दिखने लगता है। भारत की 9त्न से 32त्न आबादी फैटी लिवर से परेशान है। आज की जनरेशन में भी भूख लगने जैसे लक्षण आम होते जा रहे हैं, जो लिवर का समस्या का बड़ा संकेत है।

पेट में दर्द या सूजन ज़्यादा जानें

स्वास्थ्य फिटनेस

पेट में तरल पदार्थ का जमा होना इस बात का संकेत होता है कि लिवर बुरी तरह प्रभावित हो चुका है। भारत में सिरोसिस के मामलों का एक बड़ा कारण अत्यधिक शराब का सेवन माना जाता है, जिसके चलते पेट फूलने और सूजन जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं।

गहरे रंग का पेशाब और हल्का मल: यदि आपके पेशाब का रंग गहरा है और मल का रंग असामान्य रुप से हल्का है, तो यह बाइल के फ्लो में समस्या का संकेत हो सकता है। कई लोग इसे सिर्फ डिहाइड्रेशन समझकर इग्नोर कर दते हैं, जो बाद में दिक्कत दे सकता है।

आसानी से चोट लगना या ब्लीडिंग होना: लिवर शरीर में खून को जमाने वाले जरूरी तत्व तैयार करता है। जब यह अंग कमजोर पड़ जाता है, तो छोटी-सी चोट लगने पर भी अधिक रक्तस्राव होने लगता है या शरीर पर आसानी से नीले निशान उभर आते हैं। कई शोधों के अनुसार, भारत में अनेक लोगों को सिरोसिस की जानकारी तब मिलती है, जब उन्हें खून बहने जैसी दिक्कतें शुरू हो जाती हैं।

त्वचा पर खुजली होना: अगर बिना किसी रैशेज या दाने के शरीर पर खुजली होना लिवर की बीमारी का एक छिपा हुआ लक्षण हो सकता है। यह त्वचा के नीचे बाइल सॉल्ट्स जमा होने के कारण होता है, जिसे लोग अक्सर सामान्य त्वचा समझते हैं।

समय पर पहचान है जरूरी: आपको बता दें कि, लिवर अचानक से फेल नहीं होता बल्कि यह धीरे-धीरे खराब होता है और अक्सर इसमें दर्द भी नहीं होता है। इसलिए समय रहते हुए लिवर की बीमारियों के लक्षणों की पहचान करना बेहद जरुरी है। इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें।

चुनौतियों के चक्रव्यूह के बीच खड़ा बिहार का नया 'सम्राट'

सम्राट चौधरी का राजनीतिक उदय कोई आकस्मिक घटना नहीं है। यह उनके पिता शकुनी चौधरी की विरासत, और उनके स्वयं के आक्रामक संघर्ष, दशकों की राजनीतिक यात्रा, रणनीतिक धैर्य और समयानुकूल निर्णयों का परिणाम है। 16 नवंबर 1968 को मुंगेर के लखनपुर में जन्मे सम्राट ने बहुत कम उम्र में ही सत्ता का स्वाद चख लिया था। 1999 में राबड़ी देवी सरकार में सबसे कम उम्र के मंत्री बनने से लेकर आज मुख्यमंत्री की कुर्सी तक का सफर वैचारिक बदलावों और रणनीतिक फैसलों से भरा रहा है।

(योगेश कुमार गोयल)

सम्राट चौधरी का राजनीतिक उदय कोई आकस्मिक घटना नहीं है। यह उनके पिता शकुनी चौधरी की विरासत, और उनके स्वयं के आक्रामक संघर्ष, दशकों की राजनीतिक यात्रा, रणनीतिक धैर्य और समयानुकूल निर्णयों का परिणाम है। 16 नवंबर 1968 को मुंगेर के लखनपुर में जन्मे सम्राट ने बहुत कम उम्र में ही सत्ता का स्वाद चख लिया था।

बिहार की राजनीति में सत्ता का शिखर छूना जितना कठिन है, उससे कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है उस शिखर पर टिके रहकर अपनी सर्वमान्यता सिद्ध करना। सम्राट चौधरी का बिहार के 24वें मुख्यमंत्री के रूप में उदय राज्य के सियासी इतिहास में एक नए युग का सूत्रपात माना जा रहा है। यह केवल एक व्यक्ति का मुख्यमंत्री बनना नहीं है बल्कि भारतीय जनता पार्टी का बिहार में उस 'बड़े भाई' की भूमिका को आधिकारिक रूप से स्वीकार करना है, जिसका इंतजार पार्टी कार्यकर्ता दशकों से कर रहे थे। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद पैदा हुए राजनीतिक शून्य को भरने की जिम्मेदारी अब सम्राट चौधरी के कंधों पर है। लेकिन सवाल यह है कि क्या वह नीतीश कुमार की उस लंबी और गहरी छाया से बाहर निकल पाएंगे, जिसने पिछले दो दशकों से बिहार की राजनीति को परिभाषित किया है? यही वह कसौटी है, जिस पर अब सम्राट चौधरी को परखा जाएगा।

सम्राट चौधरी का राजनीतिक उदय कोई आकस्मिक घटना नहीं है। यह उनके पिता शकुनी चौधरी की विरासत, और उनके स्वयं के आक्रामक संघर्ष, दशकों की राजनीतिक यात्रा, रणनीतिक धैर्य और समयानुकूल निर्णयों का परिणाम है। 16 नवंबर 1968 को मुंगेर के लखनपुर में जन्मे सम्राट ने बहुत कम उम्र में ही सत्ता का स्वाद चख लिया था। 1999 में राबड़ी देवी सरकार में सबसे कम उम्र के मंत्री बनने से लेकर आज मुख्यमंत्री की कुर्सी तक का सफर वैचारिक बदलावों और रणनीतिक फैसलों से भरा रहा है। राजद और जदयू जैसी क्षेत्रीय शक्तियों के साथ काम करने के बाद 2017 में भाजपा का दामन थामना उनके करियर का सबसे निर्णायक मोड़ साबित हुआ। भाजपा ने उनमें एक ऐसे पिछड़ा नेतृत्व (ओबीसी) को देखा, जो न केवल संगठन में जान फूंक सकता था बल्कि राजद के 'माई' (एमवाई) समीकरण के सामने एनडीए के 'लव-कुश' समीकरण को मजबूती दे सकता था। विशेषकर कुशवाहा समुदाय से आने के कारण सम्राट चौधरी भाजपा के लिए सामाजिक संतुलन का सबसे सटीक मोहरा साबित हुए। भाजपा ने उन्हें न केवल स्वीकार किया बल्कि प्रदेश अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद देकर उनकी नेतृत्व क्षमता पर भरोसा भी जताया। यही भरोसा आज उन्हें मुख्यमंत्री पद तक ले आया है।

मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी की नियुक्ति के साथ ही बिहार की राजनीति में एक दुर्लभ संयोग भी जुड़ा है। जननायक कर्पूरी ठाकुर के बाद वह दूसरे ऐसे नेता बने हैं, जिन्होंने पहले उपमुख्यमंत्री की जिम्मेदारी संभाली और बाद में मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचे। यह उपलब्धि उनके कद को तो बढ़ाती है लेकिन इसके साथ आने वाली अपेक्षाएं उनके लिए हिमालयी चुनौतियों जैसी हैं। नीतीश कुमार केवल एक राजनेता नहीं थे बल्कि वह बिहार के लिए एक 'इंस्टीट्यूशन' बन चुके थे। उनके 20 वर्षों के शासनकाल ने राज्य में सुशासन की एक ऐसी परिभाषा गढ़ी, जिसमें महिला सुरक्षा, सड़कें, बिजली और शराबबंदी जैसे मुद्दे हर घर से जुड़े थे। सम्राट चौधरी के लिए सबसे बड़ी परीक्षा यही होगी कि वे स्वयं को नीतीश कुमार के विकल्प के रूप में पेश करते हैं या एक ऐसी नई पहचान गढ़ते हैं, जो नीतीश के 'विकास' और भाजपा की 'वैचारिक प्रखरता' का संगम हो।

अधिकांश राजनीतिक विश्लेषक इस बात पर एकमत हैं कि नीतीश कुमार जैसा सर्वमान्य नेता बनना सम्राट चौधरी के लिए रातों-रात संभव नहीं होगा। नीतीश कुमार की स्वीकार्यता समाज के हर वर्ग, चाहे वह महादलित हो, अति पिछड़ा हो या आधी आबादी (महिलाएं) हो, में गहराई तक थी। सम्राट चौधरी के पास फिलहाल एक मजबूत सांगठनिक ढांचा और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का आशीर्वाद है लेकिन उन्हें अपनी 'आक्रामक छवि' को अब 'प्रशासकीय संयम' में बदलना होगा। मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने के बाद अब उनके हर फैसले की तुलना नीतीश कुमार के मानकों से की जाएगी। क्या वह उसी सहजता से महादलितों और अति पिछड़ों के हितों की रक्षा कर पाएंगे? क्या वह शराबबंदी जैसी पेचीदा नीतियों को लेकर जनता के बीच अपना स्पष्ट नजरिया रख पाएंगे? ये कुछ ऐसे सवाल हैं, जिनका उत्तर उनके कार्यकाल के शुरुआती सौ दिन ही तय करेंगे। चुनौतियां केवल बाहर ही नहीं, गठबंधन के भीतर भी हैं। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद जदयू के भविष्य और निशांत कुमार के सक्रिय राजनीति में प्रवेश ने नई चर्चाओं को जन्म दिया है। जदयू के भीतर इस बदलाव को लेकर एक दबी हुई छटपटाहट है। सम्राट चौधरी को यह सुनिश्चित करना होगा कि गठबंधन के सहयोगी दल खुद को उपेक्षित महसूस न करें। साथ ही, उन्हें भाजपा के भीतर भी उन वरिष्ठ नेताओं को विश्वास में लेना होगा, जो मुख्यमंत्री पद की दौड़ में पीछे रह गए। सम्राट चौधरी पर उनके पुराने विवादों, जैसे कम उम्र में मंत्री पद से हटाए जाने की घटना और उनके शैक्षणिक पहलुओं को लेकर विपक्ष हमलावर रहेगा। एक मुख्यमंत्री के रूप में उनकी पेशेवर छवि और शुचिता पर उठने वाले सवालों का सामना उन्हें अपनी कार्यशैली से ही करना होगा। बिहार में 2025 का जनादेश एक तरह से 'फेयरवेल मैंडेट' जैसा रहा है, जहां जनता बदलाव की मानसिक तैयारी कर चुकी थी। सम्राट चौधरी के लिए सबसे बड़ी ताकत उनका ओबीसी समुदाय से होना और भाजपा आलाकमान का पूर्ण समर्थन है लेकिन उनकी राह का सबसे बड़ा कांटा 'नीतीश कुमार का औरा' है। भाजपा ने अब तक बिहार में नीतीश कुमार के साये में राजनीति की है, अब उसे अपनी स्वतंत्र इमारत खड़ी करनी है, जिसकी नींव सम्राट चौधरी को रखनी है। यह सफर कांटों भरा है क्योंकि उन्हें न केवल विकास की रफ्तार बनाए रखनी है बल्कि बिहार की उस जटिल सामाजिक संरचना को भी साधे रखना है, जहां जाति की राजनीति कभी खत्म नहीं होती। सम्राट चौधरी की कहानी एक ऐसे संघर्षशील नेता की है, जिसने शून्य से शिखर तक का सफर तय किया है लेकिन मुख्यमंत्री के रूप में उनकी असली परीक्षा अब शुरू होने जा रही है। क्या वे बिहार को 'बीमारू' छवि से पूर्णतः मुक्त कर 'विकसित बिहार' के संकल्प को सिद्ध कर पाएंगे? यह भविष्य के गर्भ में है मगर फिलहाल बिहार की सत्ता का यह नया 'सम्राट' चुनौतियों के चक्रव्यूह के बीच खड़ा है। सम्राट चौधरी के पास अवसर भी है और चुनौती भी, अब यह उनके नेतृत्व पर निर्भर करेगा कि वे इस अवसर को इतिहास में कैसे दर्ज कराते हैं।(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तक- भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बरमेकला ब्लॉक में लगभग 1 करोड़ विकास कार्यों का लोकार्पण और 9 लाख का भूमिपूजन किया

वित्त मंत्री ने गोबरसिंहा, साल्हेओना मानिकपुर बड़े, विश्वासपुर, बरगांव में दी करोड़ों के विकास कार्यों की सौगात

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

वित्त मंत्री और रायगढ़ विधायक ओ पी चौधरी ने गुरुवार संध्या में अपने विधानसभा क्षेत्र में शामिल बरमेकला ब्लॉक के ग्राम पंचायत गोबरसिंहा में कई विकास कार्यों को साकार किया है। उन्होंने कहा कि जब तक मेरी सांस चलती रहेगी। मैं विकास के लिए कार्य करुंगा चाहे इसके लिए मुझे जीतना भी मेहनत क्यों न करना पड़े, मैं पीछे नहीं हटूंगा। आप लोग के आशीर्वाद ही मुझे विकास कार्य करने में ताकत देती है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने दौरे में शामिल गोबरसिंहा, साल्हेओना मानिकपुर बड़े, विश्वासपुर, बरगांव सभी गावों में सर्वप्रथम छत्तीसगढ़ महतारी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजा अर्चना कर विभिन्न कार्यों के लोकार्पण किया। किसानों द्वारा छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर खरीदी शुरू होने पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी को सरसों से तौला गया। साथ ही केला से भी तौला गया। दौरे में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडेय, उपाध्यक्ष अजय नायक, सत्ताधारी दल के जिलाध्यक्ष ज्योति पटेल, डॉ अभिलाषा नायक, जनपद अध्यक्ष विद्या चौहान, जनपद सभापति गणेशी चौहान, सरिता मुरारी नायक, रामकुमार नायक, कमलेश अग्रवाल, प्रदीप सतपथी, रानु स्वर्णकार, कैलाश पंडा, मनोहर पटेल, सरपंच उपस्थित थे।विकास कार्यों में जिला खनिज संस्थान न्यास योजनांतर्गत स्वीकृत सी.सी. रोड़ निर्माण कार्य फुरसो घर से लक्ष्मीनारायण घर तक स्वीकृत राशि 10 लाख का लोकार्पण, नाली निर्माण कार्य (बाजार परिसर में) स्वीकृत राशि 10 लाख, गौण खनिज मद योगनांतर्गत स्वीकृत - सी.सी.रोड निर्माण कार्य (बाजार परिसर में) स्वीकृत राशि 13 लाख , गौण खनिज मद योगनांतर्गत स्वीकृत बाजार परिसर में रोड का मरम्मत (जीर्णोद्धार कार्य) स्वीकृत राशि - 5 लाख लोकार्पण, मनरेगा योगनांतर्गत स्वीकृत समुदाय के लिए चेक डेम निर्माण कार्य कटंगी नाला में स्वीकृत राशि - 14.46 लाख, जिला खनिज संस्थान न्यास योजनांतर्गत स्वीकृत सी.सी. रोड निर्माण कार्य (बीच बस्ती बाजार परिसर में) स्वीकृत राशि - 10 लाख लोकार्पण साथ ही साल्हेओना में अटल डिजिटल सुविधा केंद्र सीएससी भवन निर्माण कार्य 5 लाख, शेड निर्माण 10 लाख, विश्वासपुर में सांस्कृतिक मंच निर्माण 3 लाख, सामुदायिक भवन निर्माण 15 लाख शामिल है। वित्त मंत्री ने मानिकपुर बड़े सहित इन सभी गांवों में दस दस लाख रूपये के कार्यों को स्वीकृत करने की घोषणा की, वहीं विश्वासपुर राधा माधव मंदिर में 20 लाख के कार्य की स्वीकृति की घोषणा की।

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने प्राइवेट स्कूलों को ड्रेस, पुस्तक कॉपी खरीदने के लिए बंधनकारी नहीं करने के निर्देश दिए

- कलेक्टर ने स्कूल फीस नहीं जमा करने पर भी प्रवेश पत्र, मार्कशीट और टीसी जारी करने के निर्देश दिए
- बसों की फिटनेस ठीक करने, आपार आईडी, आधार, जाति प्रमाण पत्र कार्य को पूरा करने के निर्देश
- बच्चों की स्कूल फीस और पुस्तक कॉपी का रेट नियमानुसार तय करने के निर्देश
- कलेक्टर ने ब्लॉकवार प्राइवेट स्कूलों का किया समीक्षा

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने गुरुवार को कलेक्टरेट सभाकक्ष में गुरुवार को जिले के प्राइवेट स्कूलों का ब्लॉकवार समीक्षा बैठक किया। डॉ कन्नौजे ने सभी स्कूल संचालकों को निर्देश दिए कि प्राइवेट स्कूलों को ड्रेस, पुस्तक कॉपी खरीदने के लिए बंधनकारी नहीं होना चाहिए। बच्चों की स्कूल फीस और पुस्तक कॉपी का रेट नियमानुसार तय होनी चाहिए। बसों की फिटनेस ठीक करें, ड्राइवर कंडक्टर के आपराधिक रिकार्ड का जांच करें। बस में केयर टेकर रखें। स्कूल के पास स्टॉपर बनाये। कलेक्टर ने स्कूल फीस नहीं जमा करने पर भी प्रवेश पत्र, मार्कशीट और टीसी जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के योजनाओं का लाभ स्कूल में दें। आरटीई, आपार आईडी, आधार, जाति प्रमाण पत्र कार्य को पूरा करने में भरपूर सहयोग दें। स्कूलों में गुड टच बैड टच, किशोर अवस्था में कैरियर, विवाह आदि के सम्बन्ध में विशेषज्ञ से सेमिनार आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी जे आर डहरिया, जिला पंचायत सीईओ इंद्रजीत बर्मन, डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा, नोडल अधिकारी सेजेस नरेश चौहान, सभी बीईओ आदि उपस्थित थे।

तिलमीलाती धूम में गर्मी का गहर, पानी का किल्लत बूंद बूंद पानी को मोहताज है ग्रामीण

- नल तो लगे, पर पानी गायब बूंद बूंद
- पानी के लिए तरस रहे हैं
- केशरपाल में 'कागजो में विकास' की पोल खुली
- करोड़ों की लागत से बनी टंबकी और पाइपलाइन बेअसर, ग्रामीण बूंद-बूंद पानी को मोहताज
- पवन कुमार नाग संभागीय ब्यूरो चीफ

बस्तर/मूक पत्रिका

बस्तर जिले के अंतर्गत कई जगहों से एक चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई है, जहां विकास के दावों और जमीनी हकीकत के बीच गहरी खाई नजर आ रही है। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन यहां महज कागजों और अधूरे ढांचों तक सिमटकर रह गई है। केशरपाल गांव में करोड़ों रुपये की लागत से पानी की टंकी का निर्माण किया गया, पाइपलाइन बिछाई गई और घर-घर नल कनेक्शन भी दिए गए। लेकिन विडंबना यह है कि इन नलों से आज तक पानी की एक बूंद भी नहीं पहुंच पाई है। गर्मी बढ़ने के साथ ही हालात और चिंताजनक हो गए हैं। गिरते जलस्तर के बीच गांव में पेयजल संकट गहराता जा रहा है। महिलाएं और बच्चे दूर-दराज के स्रोतों से पानी लाने को मजबूर हैं, जिससे उनकी दिनचर्या और जीवन दोनों प्रभावित हो रहे हैं।ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को इस समस्या से अवगत कराया, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला। अब लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है और उन्होंने साफ चेतावनी दी है कि यदि जल्द जल आपूर्ति शुरू नहीं हुई, तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे।सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या केवल ढांचा खड़ा कर देना ही विकास कहलाता है, या फिर योजनाओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी बनाना भी उतना ही जरूरी है? फिलहाल, केशरपाल के ग्रामीण आज भी बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं और उस दिन का इंतजार कर रहे हैं, जब कागजी योजनाएं हकीकत में बदलेंगी।

सुदूर गांवों में पहुंचा प्रशासनः कलेक्टर ने बस्तर मुन्ने सर्वे और स्कूल निर्माण की जमीनी हकीकत परखी

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। जिले के दूरस्थ इलाकों में योजनाओं की स्थिति जानने कलेक्टर संबित मिश्रा खुद गांवों तक पहुंचे। उनके साथ जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे भी रहीं। टीम ने बीजापुर ब्लॉक के कैका मोसला, कचिलवार, गुंडापुर और कडेर गांवों का दौरा कर सर्वे और निर्माण कार्यों की प्रगति देखी।

सबसे ज्यादा फोकस 'बस्तर मुन्ने सर्वे' पर रहा। कलेक्टर ने मैदानी कर्मचारियों से सीधे बात कर कामकाज समझा और साफ कहा कि सर्वे तय समय में और पूरी पारदर्शिता के साथ पूरा होना चाहिए। उन्होंने बताया कि इसी सर्वे के आधार पर आगे शिक्षा, पोषण, बिजली-पानी, स्कूल और स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाएं तय होंगी।इसके बाद निर्माणाधीन स्कूल भवनों का निरीक्षण किया गया। कलेक्टर ने अधिकारियों और ठेकेदारों को काम तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समय-सीमा में काम पूरा हो और गुणवत्ता से कोई समझौता न हो, ताकि बच्चों को जल्द बेहतर सुविधा मिल सके।

कलेक्टर ने कहा कि सुदूर अंचलों में बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना प्राथमिकता है, इसलिए लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। वहीं, सीईओ नम्रता चौबे ने पंचायत स्तर पर बेहतर समन्वय पर जोर दिया। दौरे में जनपद पंचायत सीईओ हिमांशु साहू सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

विश्व मलेरिया दिवस 25 अप्रैल को व्यापक प्रचार प्रसार करने का निर्णय लिया गया

सारंगढ़/मूक पत्रिका

विश्व मलेरिया दिवस 25 अप्रैल 2026 सारंगढ़ कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के निर्देशानुसार सीएमएचओ डॉ एफ आर निराला के मार्गदर्शन में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी विश्व मलेरिया दिवस 25 अप्रैल को व्यापक प्रचार प्रसार करने का निर्णय लिया गया है हमारे जिले में वैसे तो मलेरिया के प्रकरण कुछ ही संख्या में दर्ज हुए है फिर भी जागरूकता होना चाहिए अगर हर नागरिक इसकी समझ बना ले एक मलेरिया के रोगी कैसे बनता है अन्यों को कैसे फैलाता है अच्छा रहेगा मलेरिया कैसे होता है मलेरिया एक परजीवी के कारण होता है जिसे प्लाज्मोडियम कहते है जो आज संक्रमित मच्छर के काटने से अन्य को होता है अर्थात मलेरिया को एक व्यक्ति से दूसरे में फैलाने का कार्य मच्छर करता है जो मादा अनाफिलिस होता है वैसे इस परजीवी का जीवन चक्र मनुष्य और मच्छर दोनों से होकर गुजरता है इस कारण मलेरिया मुक्ति के लिए हमारे पास दो अवसर होते है पहला जब मलेरिया के परजीवी मच्छर में होते है तब मच्छर को मार करके बचते है और दूसरा जब मलेरिया के परजीवी मनुष्य में होता है तब मनुष्य की बुखार आने की शिकायत होती है ऐसे स्थिति में खून की रक्त पट्टी बनाई जाती है या ऋष कीट से जांच करते है तब पता चलता है मलेरिया के परजीवी खून में मौजूद है इस स्थिति में उस मनुष्य को मलेरिया के परजीवी को मारने की दवाई खिलाई जाती है जिससे मलेरिया के परजीवी नष्ट होते है इस कारण प्रत्येक बुखार पीड़ित व्यक्ति की खून के नमूने लेकर जांच की जाती है सोर्स मच्छर पनपने के स्थान मलेरिया के मच्छर मुख्यतः स्वच्छ पानी में अपने अंडे देते है वह भी हल्का मंद गति से बहता हो तो बेहतर होता है इस कारण घर के आस पास कोई पुरानी टायर ,टूटे हुए मटके ,नारियल के कोटली ,टूटे बर्तन , जानवरों के खूर के निशान के गड्ढे में भरे हुए पानी ,कूलर आदि में जब साफ पानी जमा रहता है हवा की झोंका से हल्का बहाव आ दिखता हो मलेरिया के मच्छर को अंडे देने का एक बेहतरीन स्थान होता है जिसे सोर्स के रूप में जानते है मलेरिया के अंडे से प्यूपा से लार्वा और लार्वा से एडल्ट मच्छर बनता है आमतौर पर एक मच्छर अधिकतम 4 हफ्ते ही जिंदा रहता है जब एक मादा एनाफिलीज जो पहले से इसके सुंड में मलेरिया के परजीवी के स्पोरोजॉइट्स मौजूद रहता है और किसी नार्मल व्यक्ति को यह मच्छर काटता है तब परजीवी उसके खून में प्रवेश करता है और वह व्यक्ति मलेरिया पीड़ित होता है जिसे ठंड के साथ बुखार ,कंपकपी ,और पसीना के साथ बुखार उतरने की शिकायत होती है कभी बदन दर्द कभी सिर दर्द कभी बेहोशी आदि प्रकार के लक्षण देखे जाते है बचाव के तरीके मलेरिया के काटने से बचना हो तो शाम के समय फूल आस्तीन के कपड़े पहने ,ज्यादा रंगीन कपड़े न पहने ,ज्यादा तैलीय पदार्थ का सेवन न करे , शाम के समय घर के खिड़की दरवाजे बंद कर दे ,तथा संभव मच्छर भगाने के टिकिया, ष्प्रद्वद्य ,अगरबत्ती जलाए , ग्रामीण अंचल में नीम पत्ती के धुएं भी किए जा सकते है रात को सोते समय मच्छर दानी का उपयोग करना सबसे बेहतर तरीके है। सोर्स रिडक्शन घर के आसपास पानी जमा न होने दे ,सप्ताह में एक दिन जला हुआ mobile ऑयल या मिट्टी तेल डालने से मच्छर के लार्वा मर जाते है घर के पास के पोखरों में लार्वभक्षी मछली भी पाली जा सकती है प्रचार प्रसार मलेरिया बीमारी के रोक थाम के लिए प्रत्येक व्यक्ति की जागरूक करना जरूरी होता है जिससे वे स्वयं ही इनसे बचने के उपाय करेंगे। बुखार आने पर क्या करे बुखार आने पर सबसे पहले रक्त पट्टी बनवा कर यह पुष्टि करे कि कही मलेरिया तो नहीं है आम जनता से अपील भी है आप मलेरिया नियंत्रण के इस कार्य में सहयोग करे ,घर के आस पास सफाई रखे ,घरों के पास पानी जमा न होने दे ,घरों के बाहर नालियों की भी नियमित सफाई व्यवस्था हो ,सप्ताह में एक दिन जला हुआ mobile ऑयल डाले ,अपने मच्छर दानी को भी दवा से उपचारित करवाए छोटे बच्चे एवं गर्भवती माताओं को विशेष सावधानी बरते।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन सुशासन का स्वर्णिम अध्यायः दक्ष वैद्य साहू

- फसल बीमा से महिला सुरक्षा तक हर समस्या का समाधान
- गांव-गांव पहुंचेगी हेल्पलाइन की गूंज,किसान मोर्चा चलाएगा जनजागरण अभियान

रायपुर /मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा सोशल मीडिया प्रदेश सहप्रभारी एवं हिन्द सेना युवा ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष दक्ष वैद्य साहू ने प्रदेश के यशस्वी, संवेदनशील एवं कर्मयोगी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा जनसमस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान हेतु विशेष हेल्पलाइन प्रारंभ करने के दूरदर्शी निर्णय का स्वागत किया है। श्री साहू ने कहा कि यह हेल्पलाइन 'अंत्योदय' से 'सर्वोदय' तक की यात्रा को साकार करने वाला सेतु है। यह केवल एक फोन नंबर नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार की 'जनता ही जनार्दन' की भावना का जीवंत प्रमाण है। अब सुदूर अंचल का अन्नदाता किसान हो या स्वरोजगार की राह देखता युवा, नारी सशक्तिकरण की आकांक्षी बहन हो या वृद्धावस्था पेंशन की प्रतीक्षा करता बुजुर्ग – हर व्यक्ति अपनी बात बिना किसी बाधा, बिचौलिए या विलंब के सीधे शासन के शीर्ष तक पहुंचा सकेगा।श्री दक्ष वैद्य साहू ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने 'सेवा ही संगठन, सुशासन ही संकल्प' के मंत्र को जिस दृढ़ता से धरातल पर उतारा है, यह हेल्पलाइन उसका स्वर्णिम उदाहरण है। फसल बीमा, खाद-बीज, सिंचाई, राशन, स्वास्थ्य, शिक्षा, कानून-व्यवस्था अथवा महिला सुरक्षा से जुड़ा कोई भी विषय अब एक कॉल पर दर्ज होगा और समयबद्ध, जवाबदेह प्रणाली से उसका समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। यह पहल छत्तीसगढ़ को डिजिटल सुशासन और संवेदनशील प्रशासन का राष्ट्रीय मॉडल बनाने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगी। श्री साहू ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस शासन में जनता अपनी फरियाद लेकर कार्यालयों के चक्कर काटती थी, परंतु आज डबल इंजन की भाजपा सरकार स्वयं जनता के द्वार पर दस्तक दे रही है। यही 'जनता की सरकार, जनता के लिए सरकार' का वास्तविक स्वरूप है।श्री दक्ष वैद्य साहू ने संकल्प व्यक्त किया कि किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर के नेतृत्व में प्रत्येक कार्यकर्ता इस जनकल्याणकारी हेल्पलाइन को गाँव-गाँव, घर-घर तक पहुंचाने के लिए जन-जागरण अभियान चलाएगा, ताकि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक न्याय और सुविधा की रोशनी पहुंचे।

घटना के बाद जिला अस्पताल पहुंचे विधायक ब्यास और बालेश्वर

आधी रात घर में घुसकर ताबड़तोड़ फायरिंग, बड़े भाई की मौत, छोटा भाई घायल

जांजगीर-चाम्पा/मूक पत्रिका

बिर्रा थाना के करही गांव में घर में घुसकर 3 नकाबपोश बदमाशों ने 2 भाई पर गोली चला दी।वारदात में बड़े भाई आयुष कश्यप की मौत हो गई है, वहीं घायल छोटे भाई आशुतोष कश्यप को जिला अस्पताल जांजगीर में भर्ती किया गया है। मृतक बड़े भाई के सिर और सीने में गोली लगी है, वहीं घायल छोटे भाई के भुजा, गले में गोली लगी है।इस तरह मौके पर 3 राउंड फायरिंग की गई है। वारदात के वक्त युवकों की बड़ी बहन, कमरे में थी, वहीं एक अन्य कमरे में पिता सम्मेलाल कश्यप थे।बदमाशों ने पिता के कमरे को बाहर से बंद कर दिया था। रात करीब 12:30 गोलीबारी की वारदात हुई. इसके बाद, घायल युवकों को जिला अस्पताल जांजगीर लाया गया, जहां डॉक्टर ने बड़े भाई आयुष कश्यप को मृत घोषित कर दिया, वहीं घायल छोटे भाई आशुतोष कश्यप का जिला अस्पताल में चल रहा है, जो खतरे से बाहर है।बड़ी वारदात की सूचना के बाद विधायक ब्यास कश्यप और जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू, जिला अस्पताल जांजगीर पहुंचे।यहां घायल युवक के बेहतर इलाज के लिए उन्होंने उच्चाधिकारियों से बात की साथ ही, बदमाशों को जल्द पकड़ने की मांग की है। मृतक युवक के पिता सम्मेलाल कश्यप ने कहा है कि रेत की वजह से यह गोलीबारी व हत्या की वारदात हुई है, क्योंकि उसका 19 साल का बेटा आयुष, रेत का काम करता था. उसने अभी हाइवा, जेसीबी लिया था और रेत के कार्य में लगा था। मृतक युवक की बहन व प्रत्यक्षदर्शी प्रेरणा कश्यप ने बताया, 3 युवक आए और उसके भाई आयुष को पहले गोली मारी फिर उसके 16 साल के छोटे भाई को गोली मारी। तीनों बदमाश, नकाब लगा रखे थे। वारदात के बाद 3 मोबाइल और कुछ चिल्हर नोट ले गए हैं उसने बताया है, हफ्ते भर पहले 3 युवक, उसके भाई आयुष के बारे में पूछते आए थे। इधर, गोलीबारी की बड़ी घटना के बाद पुलिस महकमा में हड़कम्प मच गया है और करही गांव, घटनास्थल पर प्रभारी एसपी निवेदिता पाल, एडिशनल एसपी उमेश कश्यप, साइबर और फोरेंसिंक टीम पहुंची. घर में लगे ष्टष्टञ्जङ्क की जांच के साथ अन्य क्षेत्रों में लगे ष्टष्टञ्जङ्क की जांच पुलिस कर रही है, वहीं अलग-अलग मार्ग पर नाकेबंदी की गई है।कॉल डिटेल से भी सुराग जुटाने का प्रयास किया जा रहा है।करही गांव से आने के बाद प्रभारी एसपी निवेदिता पाल, जिला अस्पताल पहुंची और युवकों के परिजन पिता, बहन से चर्चा की, फिर घायल युवक से भी घटना को लेकर चर्चा की. फिलहाल, पुलिस की अनेक टीम गोलीबारी करने वाले बदमाशों की खोजबीन में जुटी हुई है. घटना के हालात से पता चल रहा है, बदमाशों ने रेत का काम करने वाले बड़े भाई आयुष कश्यप को टारगेट किया है और उस पर पहले गोली चलाई है। परिजन ने वारदात की वजह रेत के कारोबार को बताया है।

कांकेर में यातायात सुधार हेतु पुलिस-नगरपालिका की संयुक्त कार्रवाई, अतिक्रमण पर सख्ती

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर /शहर में सुगम एवं व्यवस्थित यातायात सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कांकेर पुलिस और नगर पालिका की संयुक्त टीम ने प्रमुख मार्गों व बाजार क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देश पर संचालित इस कार्रवाई में सड़क और फुटपाथ पर अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों को नोटिस जारी किए गए। अभियान के दौरान टीम ने दुकानदारों को प्रतिष्ठान के बाहर रखा सामान तत्काल हटाने के निर्देश दिए और निर्धारित समय-सीमा में अतिक्रमण समाप्त करने को कहा। साथ ही ग्राहकों के लिए उचित पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने की हिदायत दी गई, ताकि यातायात बाधित न हो। इसी क्रम में गलत तरीके से खड़े वाहनों पर लॉक लगाकर चालानी कार्रवाई की गई तथा सड़क किनारे खड़े वाहनों को हटवाकर निर्धारित पार्किंग स्थलों पर खड़ा कराया गया। आम नागरिकों और वाहन चालकों को भी केवल चिन्हित स्थानों पर ही वाहन पार्क करने की समझाइश दी गई। कांकेर पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि शहर की बेहतर यातायात व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें, नियमों का पालन करें, नशे में वाहन न चलाएं तथा हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें।

पोको ने पेश की पोको सी 81 सीरीज़: रोज़ाना के उपयोग के लिए बड़ा डिस्प्ले और भरोसेमंद प्रदर्शन

बेंगलुरू: पोको, आज के टेकी युवाओं के बीच मशहूर लोकप्रिय ब्रांड, ने आज पोको सी 81 सीरीज़ को लॉन्च करने की घोषणा की है। इस सीरीज़ में पोको सी 81 और पोको सी 81 एक्स शामिल हैं।

भरोसेमंद प्रदर्शन, बड़ा शानदार डिस्प्ले और लंबे समय तक चलने वाली बैटरी प्रदान करने के लिए बनाई गई, यह नई सीरीज़ उपयोगकर्ताओं की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करेगी। रोज़ाना के मनोरंजन के लिए बड़ा और शानदार डिस्प्ले पोको सी 81 सीरीज़ में बड़ी और आकर्षक स्क्रीन दी गई है, जो आपके रोज़ के देखने के अनुभव को और मज़ेदार बनाती है। पोको सी 81 में 6.9 इंच की एचडी प्लस स्क्रीन है, जबकि पोको सी 81 एक्स में 6.88 इंच की एचडी प्लस स्क्रीन दी गई है। दोनों फोन इंटरनेट चलाने, वीडियो देखने और सोशल मीडिया के लिए शानदार तस्वीर देते हैं। 120 हर्ट्ज़ की तेज़ स्क्रीन रिफ्रेश दर की वजह से स्क्रॉलिंग बिल्कुल चिकनी रहती है और फोन तुरंत प्रतिक्रिया देता है, जिससे इस्तेमाल का अनुभव काफी बेहतर हो जाता है। लंबे समय तक इस्तेमाल के दौरान आंखों पर ज़ोर न पड़े, इसके लिए इन स्क्रीन को टीयूवी रेनलैंड ने प्रमाणित किया है। इन्हें कम नीली रोशनी, झिलमिलाहट से मुक्ति और शरीर की नींद की लय के अनुकूल (सर्केडियन फ्रेंडली) बनाया गया है। रोज़मर्रा की ज़रूरतों के लिए भरोसेमंद प्रदर्शन पोको सी 81 रोज़ के काम के लिए एकदम सहज और तेज़ अनुभव देता है। इस फोन में 2 साल के OS अपडेट और 4 साल के सुरक्षा अपडेट मिलते हैं, जो इसे लंबे समय तक काम का बनाए रखते हैं। उपयोगकर्ता की सुविधा के लिए लंबे समय तक चलने वाली बैटरी पोको सी 81 सीरीज़ में बड़ी बैटरी दी गई है जो पूरे दिन बिना रुके साथ देती है,

सैमसंग ने भारत में लॉन्च किए बीस्पोक एआई विंडफ्री एसी, स्मार्ट कूलिंग और 30 प्रतिशत तक बिजली बचाने की सुविधा

गुरुग्राम: सैमसंग ने भारत में अपनी नई बीस्पोक एआई विंडफ्री इंवर्टर स्प्लिट एसी रेंज लॉन्च की है। इस नई सीरीज़ में 23 मॉडल शामिल हैं, जिनकी शुरुआती कीमत 32,940 रूपये रखी गई है। कंपनी ने इसे बढ़ते तापमान और ऊर्जा दक्षता की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पेश किया है। यह एसी एआई एनर्जी मोड के जरिए 30 प्रतिशत तक बिजली बचाने की सुविधा देते हैं। नई रेंज में एआई फास्ट और कंफर्ट कूलिंग तकनीक दी गई है, जो कमरे की स्थिति और उपयोग के पैटर्न का विश्लेषण कर तेजी से कूलिंग शुरू करती है। इससे कमरे का तापमान तेजी से कम हो जाता है और तुरंत राहत मिलती है। तापमान कम होने के बाद, जब कमरे का टेम्परेचर मनचाहे स्तर पर आ जाता है, तो सिस्टम विंडफ्री™/ड्राई कंफर्ट मोड पर चला जाता है ताकि आरामदायक कूलिंग बनी रहे। यह हवा को बहुत हल्के तरीके से छोटे-छोटे छेदों से फैलाता है, जिससे तेज और ठंडी हवा सीधे नहीं लगती। पूरे समय एआई कमरे की स्थिति और यूजर की पसंद को समझता रहता है और उसी के हिसाब से कूलिंग को एडजस्ट करता है, ताकि लगातार आराम मिलता रहे। सैमसंग के स्मार्टथिंग्स इंटीग्रेशन के साथ यह एसी स्मार्ट और कनेक्टेड होम कूलिंग का अनुभव देता है। यूजर्स मोबाइल ऐप से दूर से ही तापमान कंट्रोल कर सकते हैं, बिजली की खपत देख सकते हैं और एसी के फंक्शन को ऑटोमेट कर सकते हैं। इसके अलावा इसमें एनर्जी मॉनिटरिंग, वॉयस कंट्रोल, वेलकम/अवे केयर और स्मार्ट मेंटेनेंस अलर्ट जैसी सुविधाएं भी मिलती हैं, जिससे इस्तेमाल आसान हो जाता है और ज्यादा सुविधा व भरोसा मिलता है। एआई एनर्जी मोड कंप्रेसर की परफॉर्मेंस को बेहतर तरीके से मैनेज करता है और उपयोग के पैटर्न व मौसम की स्थिति का विश्लेषण करके बिजली की खपत को 30 प्रतिशत तक कम करता है। नई एसी रेंज तेज और प्रभावी कूलिंग के साथ बेहतर ऊर्जा दक्षता भी देती है। इसकी एडवांस इन्वर्टर तकनीक बहुत ज्यादा गर्मी में भी स्थिर परफॉर्मेंस सुनिश्चित करती है, जिससे यह भारत के अलग-अलग मौसमों के लिए उपयुक्त है। सैमसंग की नई बीस्पोक एआई एयर कंडीशनर रेंज अब देश के प्रमुख रिटेल स्टोर्स और फ्लिपकार्ट, अमेज़न एवं Samsung.com सहित ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है।

जर्मनी यूरोप में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार

बर्लिन, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपने आधिकारिक दौरे पर जर्मनी पहुंचे, जहां उन्होंने बर्लिन में भारतीय समुदाय के एक कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भारत-जर्मनी संबंधों, भारतीय प्रवासी समुदाय की भूमिका, आर्थिक सहयोग और सांस्कृतिक जुड़ाव पर विस्तार से बात की। रक्षा मंत्री ने कार्यक्रम के बाद सोशल मीडिया पर कहा कि बर्लिन में भारतीय समुदाय के सदस्यों से बातचीत कर उन्हें बेहद खुशी हुई। उन्होंने भारतीय प्रवासी समुदाय को भारत और जर्मनी के बीच लिविंग ब्रिज बताया और कहा कि हाल के वर्षों में यह समुदाय एक मजबूत शक्ति के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान उन्होंने भारत की तेज आर्थिक प्रगति और तकनीकी विकास को रेखांकित किया, जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चर, स्टार्टअप्स, अंतरिक्ष और डिजिटल इनोवेशन जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

भारत में 2000 से अधिक जर्मन कंपनियां सक्रिय

अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले सात दशकों में भारत और जर्मनी के संबंध हर क्षेत्र में मजबूत

अपनी पहली यात्रा पर बोले राजनाथ सिंह

हुए हैं। आज जर्मनी यूरोप में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन चुका है। उन्होंने कहा कि भारत में 2,000 से अधिक जर्मन कंपनियां सक्रिय हैं और जर्मनी की अग्रणी कंपनियां भारत के औद्योगिक विकास व मेक इन इंडिया अभियान को गति दे रही हैं। दूसरी ओर, कई भारतीय कंपनियां भी जर्मनी में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करा रही हैं।

जर्मनी में भारतीय की संख्या 3.7 लाख है

उन्होंने कहा कि भारत और जर्मनी के राजनीतिक व कूटनीतिक संबंधों के द्वार भले ही सरकारों के हाथ में हों, लेकिन दोनों देशों के रिश्तों की असली मजबूती लोगों के आपसी जुड़ाव से तय होती है। उन्होंने भारतीय समुदाय से कहा कि इस पुल को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका बेहद अहम है। राजनाथ सिंह ने बताया कि जर्मनी में भारतीयों की संख्या 3.7 लाख है और यह लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय समुदाय की उपलब्धियों और योगदान ने जर्मनी के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने आगे कहा कि भारत और जर्मनी केवल राजनीतिक और रणनीतिक संबंध ही साझा नहीं करते, बल्कि कला और संस्कृति के क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच गहरा उत्साह और जुड़ाव है। राजनाथ सिंह ने बताया कि उन्हें हम्बोल्ट विश्वविद्यालय जाने का अवसर मिला, जहां उन्होंने रवीन्द्रनाथ टैगोर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए।

रक्षा मंत्री की पहली आधिकरिक यात्रा

रक्षा मंत्री ने कहा कि यह उनकी जर्मनी की पहली आधिकारिक यात्रा है और वह वहां के रक्षा मंत्री के निमंत्रण पर पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि यह अपने आप में एक उपलब्धि है कि समय के साथ भारत और जर्मनी के रिश्ते लगातार मजबूत हुए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 भारत और जर्मनी के लिए विशेष है, क्योंकि इस वर्ष दोनों देशों के औपचारिक राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे हो गए हैं।

कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि यह उनकी जर्मनी की पहली यात्रा है, जबकि वह अमेरिका सात से आठ बार जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद वह दो बार अमेरिका जा चुके हैं। इस पर श्रोताओं के हंसने पर उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि उन्हें समझ नहीं आया कि लोग क्यों हंस रहे हैं, जबकि वह तो सभी से मिलकर प्रसन्न हैं।

ट्रंप ने ईरान के साथ युद्धविराम बढ़ाया, बोले- पाकिस्तान के अनुरोध पर उठाया कदम

यरूशलम, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्डने ईरान के साथ जारी अस्थायी युद्धविराम को आगे बढ़ाने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच नए दौर की आमने-सामने बातचीत की तैयारी के लिए मध्यस्थों को और समय दिया जा रहा है।

ट्रंप ने यह फैसला युद्धविराम की अवधि खत्म होने से कुछ घंटे पहले लिया। उन्होंने कहा कि यह कदम पाकिस्तान के अनुरोध पर उठाया गया है। उन्होंने कहा कि वह ईरान से एक ऐसे प्रस्ताव का इंतजार कर रहे हैं, जिसमें सभी बातें एक साथ और सहमति के साथ हों।

इस फैसले से फिलहाल दोबारा जंग शुरू होने का खतरा कम हो गया है। लेकिन दोनों पक्षों के बीच अभी भी गहरे मतभेद हैं। अमेरिका की ओर से ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी अभी भी जारी है और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पाकिस्तान यात्रा भी फिलहाल स्थगित है।

अमेरिका की नाकाबंदी अस्वीकार्य: ईरानी विदेश मंत्रालय

रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की मध्यस्थता में बातचीत की तैयारी चल रही है। लेकिन ईरान ने कहा है कि अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि विरोधाभासी बयान और अमेरिकी कार्रवाई के कारण फैसला अटका हुआ है। उन्होंने अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी को भी 'अस्वीकार्य' बताया।

अमेरिकी पक्ष ने रद्द की पाकिस्तान की यात्रा

अमेरिकी पक्ष ने भी पाकिस्तान यात्रा रद्द कर दी है और पाकिस्तान ने बातचीत जारी रखने के लिए कोशिश

तेज कर दी हैं। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने यह युद्धविराम पाकिस्तान के अनुरोध पर बढ़ाया है। उन्होंने दावा किया कि ईरान के नेतृत्व को 'बिखरा हुआ' है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने उनसे इंतजार करने को कहा है, ताकि ईरान एक साझा प्रस्ताव ला सके। हालांकि, अमेरिका की नाकेबंदी अभी भी जारी रहेगी।

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर तनाव

इस बीच, होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर तनाव बना हुआ है। जहां से वैश्विक तेल और गैस का बड़ा हिस्सा गुजरता है। ईरान ने हाल में इस क्षेत्र में जहाजों पर हमले किए हैं और अमेरिका ने भी एक ईरानी जहाज को रोकने की कार्रवाई की है। स्थिति अभी भी बेहद तनावपूर्ण और अस्थिर बनी हुई है।

28 फरवरी को शुरू हुआ था युद्ध

अमेरिका और इस्त्राइल ने 28 फरवरी को युद्ध शुरू किया था, जिसके बाद छह सप्ताह तक संघर्ष चला और इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा। अप्रैल में ईरान, इस्त्राइल और अमेरिका के बीच 14 दिन का अस्थायी युद्धविराम लागू हुआ और यह अब तक काफी हद तक कायम है।

इससे पहले अप्रैल में पाकिस्तान में वार्ता हुई थी। लेकिन वह बिना किसी समझौते के खत्म हो गई थी। होर्मुज जलडमरूमध्य अभी भी लगभग बंद स्थिति में है और ईरान ने इस मार्ग से गुजरने वाले जहाजों से भारी शुल्क वसूला है। अमेरिका ने भी ईरानी बंदरगाहों पर जहाजों को रोकना शुरू कर दिया है और एक ईरानी जहाज पर कार्रवाई भी की गई है। ईरान ने इसे 'समुद्री डकैती' बताया।

ईरान का परमाणु कार्यक्रम वार्ता का प्रमुख मुद्दा

ईरान का परमाणु कार्यक्रम भी अभी वार्ता का बड़ा मुद्दा है। उसका संवर्धित यूरेनियम अभी भी देश के भीतर मौजूद है और वह कहता है कि इसे शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए उपयोग करने का उसे अधिकार है। अमेरिका और इस्त्राइल चाहते हैं कि ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह बंद करे। लेकिन ईरान ने इसे मानने से इनकार कर दिया है।

टैरिफ रिफंड से भारत को मिल सकते हैं 12 अरब डॉलर, पर सीधे नहीं

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से मनमाने तरीके से वसूले गए टैरिफ की रिफंड प्रक्रिया शुरू कर दी है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में कहा, रिफंड प्रक्रिया के तहत 166 अरब डॉलर से ज्यादा राशि लौटाई जाएगी, जिसमें से करीब 12 अरब डॉलर (1.12 लाख करोड़ रुपये) भारतीय वस्तुओं से संबंधित हैं। यानी रिफंड प्रक्रिया में भारत को 12 अरब डॉलर मिलने की संभावना है, पर सीधे तरीके से नहीं। जीटीआरआई ने कहा, रिफंड की राशि सिर्फ अमेरिकी आयातकों के खाते में जाती है और निर्यातकों का इस पर कोई कानूनी अधिकार नहीं होता। ऐसे में भारतीय निर्यातकों के पास रिफंड का दावा करने का कोई सीधा कानूनी रास्ता नहीं होगा। ऐसे में उन्हें अमेरिकी खरीदारों के साथ सक्रिय रूप से संपर्क करना चाहिए। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, कोई भी शुल्क वापसी व्यावसायिक बातचीत पर निर्भर करेगी। इसके लिए भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी खरीदारों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना चाहिए। विशेषकर, उन मामलों में जहां पहले की कीमतों में टैरिफ लागत शामिल थी। रिबेट-शेयरिंग डील : भारतीय निर्यातक अपने अमेरिकी खरीदारों के साथ रिफंड को आपस में बांटने का सौदा कर सकते हैं, जिससे आयातक का रिफंड भारतीय कंपनी के लिए असली नकदी या कीमतों में छूट में बदल जाता है। कीमतों पर फिर से बातचीत : जहां पिछले साल कॉन्ट्रैक्ट की कीमतों में टैरिफ को शामिल किया गया था, अब जब लागत कम हो गई है, तो भारतीय निर्यातक उन समझौतों पर फिर से बातचीत करने का प्रयास कर सकते हैं। भविष्य के ऑर्डर और प्रतिस्पर्धी बढ़त : भारतीय कंपनियां इस अवसर का इस्तेमाल ज्यादा प्रतिस्पर्धी कीमतों पर नए ऑर्डर के लिए बातचीत करने में कर सकती हैं।

ईरानी सेना की ताकत अब भी मजबूत', पेंटागन रिपोर्ट में खुलासा; ट्रंप-हेगसेथ के दावों पर उठे सवाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) की खुफिया शाखा की एक नई रिपोर्ट ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल मचा दी है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान की सैन्य क्षमता अभी भी मुख्य रूप से मजबूत बनी हुई है, जिससे अमेरिकी नेतृत्व के हालिया बयानों पर सवाल खड़े हो गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने पहले दावा किया था कि हालिया संघर्षों के बाद ईरान की सेना को भारी नुकसान हुआ है और उसकी ताकत काफी कमजोर हो चुकी है। लेकिन पेंटागन की खुफिया रिपोर्ट इन दावों से पूरी तरह असहमत नजर आ रही है।

ट्रंप ने बढ़ाया युद्ध विराम, पाकिस्तान की अपील का दिया हवाला: इस आंतरिक खुफिया आकलन के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ युद्ध विराम को और बढ़ाने की घोषणा की है। उन्होंने इस निर्णय का कारण पाकिस्तानी नेतृत्व द्वारा एक नियोजित सैन्य हमले में देरी के लिए की गई सीधी अपील को बताया। यह घोषणा पिछले समय-सीमा समाप्त होने से कुछ घंटे पहले सार्वजनिक की

गई। हालांकि, इस घोषणा का तेहरान से तत्काल विरोध हुआ। ईरान के संसद अध्यक्ष के एक सलाहकार, महदी मोहाम्मदी ने अमेरिकी कदम को खारिज करते हुए कहा कि हारने वाला पक्ष शर्तें तय नहीं कर सकता। उन्होंने तर्क दिया कि यह विस्तार ईरानी सरकार के लिए कुछ भी मायने नहीं रखता और अमेरिकी सेना के खिलाफ सैन्य वृद्धि का आह्वान किया। एक्स पर एक पोस्ट में, मोहाम्मदी ने कहा कि ट्रंप द्वारा युद्ध विराम का विस्तार कुछ भी मायने नहीं रखता क्योंकि हारने वाला पक्ष शर्तें तय नहीं कर सकता। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि घेराबंदी जारी रखना बमबारी से अलग नहीं है और इसका जवाब सैन्य रूप से दिया जाना चाहिए।

कूटनीति असफल, तनाव बरकरार: बीते दिनों दोनों देशों के बीच इस्लामाबाद में हुई 21 घंटे की लंबी बातचीत के बाद एक दीर्घकालिक समझौते को सुरक्षित करने का पिछला प्रयास बिना किसी सफलता के समाप्त हो गया था, जिससे तनाव और बढ़ गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान की सैन्य शक्ति अभी भी पश्चिम एशिया में एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली स्थिति बनाए हुए है। उसके सैन्य ढांचे को पूरी तरह कमजोर नहीं किया जा सका है।

ब्लू ओरिजिन की तीसरी उड़ान विफल: गलत कक्षा में पहुंचा संचार उपग्रह

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष परिवहन कंपनी ब्लू ओरिजिन ने एक उपग्रह लॉन्च किया। यह एएसटी मोबाइल का 'ब्लूबर्ड 7 संचार उपग्रह' था। लेकिन यह उपग्रह गलत कक्षा (ऑर्बिट) में भेज दिया गया। इसलिए यह सही तरीके से काम नहीं कर पाया। इससे इसका मोबाइल से सीधे संपर्क करने वाली प्रणाली काम नहीं कर सकी। नतीजा यह हुआ कि कंपनी को उपग्रह को निष्क्रिय करना पड़ा। ब्लू ओरिजिन का न्यू ग्लेन रॉकेट रविवार सुबह लॉन्च हुआ था। यह लॉन्च फ्लोरिडा के केप कैनावेरल से किया गया। रॉकेट का पहला चरण (बूस्टर) सफल रहा। यह अटलांटिक महासागर में एक बिना मानव वाले जहाज पर सुरक्षित उतर गया। लेकिन रॉकेट अपना मुख्य काम पूरा नहीं कर सका। यानी वह संचार उपग्रह को पृथ्वी की निचली कक्षा (लो अर्थ ऑर्बिट) में नहीं भेज सका। एएसटी स्पेसमोबाइल ने प्रक्षेपण के बाद जारी बयान में कहा कि उपग्रह अलग हो गया और चालू भी हो गया। लेकिन उसकी ऊंचाई बहुत कम है। जिससे वह अपने थ्रस्टर से काम नहीं कर सकता और अब उसे कक्षा से हटाया जाएगा।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच फ्री ट्रेड डील को बताया बटर-चिकन सुनामी

वेलिंगटन, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच अगले हफ्ते फ्री ट्रेड डील साइन होने वाली है। न्यूजीलैंड सरकार के मंत्री भारत के साथ डील साइन करने के लिए नई दिल्ली आने वाले हैं।

इससे पहले न्यूजीलैंड के एक वरिष्ठ मंत्री ने इस डील का मजाक उड़ाते हुए विवादित बयान दिया है, जिसकी न्यूजीलैंड में रह रहे भारतीय समुदाय के लोग भी निंदा कर रहे हैं।

भारत-न्यूजीलैंड डील के कई फायदे

न्यूजीलैंड सरकार ने भारत के साथ होने वाली इस डील को किसी एक पीढ़ी में एक बार होने वाली डील बताया है। इस डील से न्यूजीलैंड के कारोबार को दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश भारत के विशाल घरेलू बाजार तक पहुंच मिलेगी।

अधिकारियों ने एएफपी को बताया है कि इस समझौते के तहत 20,000 से ज्यादा भारतीय, न्यूजीलैंड में प्रवेश कर सकते हैं।न्यूजीलैंड के साथ इस

फ्री ट्रेड डील का फायदा भारत को होने वाला है। इस डील के तहत न्यूजीलैंड अगले 15 सालों में भारत में 34 अरब (18 खरब) का निवेश करेगा।

फ्री ट्रेड डील को बताया बटर-चिकन सुनामी- न्यूजीलैंड में सत्ताधारी गठबंधन की सहयोगी, दक्षिणपंथी लोकलुभावन पार्टी एनजेड फर्स्ट ने इस डर से इस डील से अपना समर्थन वापस ले लिया है, क्योंकि इससे देश की सीमाएं हजारों भारतीय नागरिकों के लिए खुल जाएंगी।

पार्टी के उप-नेता और क्षेत्रीय विकास मंत्री शेन जोन्स ने कहा कि उनकी पार्टी इस समझौते को कभी स्वीकार नहीं करेगी।

जोन्स ने रियलिटी चेक रेडियो से कहा, मुझे इस बात की कोई परवाह नहीं है कि हमारी कितनी भी आलोचना हो, मैं न्यूजीलैंड में बटर चिकन सुनामी आने पर कभी सहमत नहीं हो सकता।

भारतीय समुदाय के लोगों ने की निंदा

न्यूजीलैंड में भारतीय समुदाय के समूहों ने इन टिप्पणियों की व्यापक रूप से नस्लवादी बताते हुए निंदा की है। ऑकलैंड इंडियन एसोसिएशन की अध्यक्ष शांति पटेल ने पब्लिक ब्रॉडकास्टर आरएनजेड से कहा, यह हर किसी के लिए बेहद चिंताजनक है।

विपक्षी सांसद प्रियंका राधाकृष्णन ने जोन्स की इन टिप्पणियों को पूरी तरह से नस्लवाद बताया। उन्होंने कहा, यह अस्वीकार्य है और नेताओं को इस तरह के बयान नहीं देने चाहिए जैसे उन्होंने दिए हैं।

जहाज टोस्का की रिहाई के लिए यूएन पहुंचा ईरान, अमेरिका के खिलाफ की शिकायत; बिना शर्त छोड़ने की रखी मांग

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ता हुआ नजर आ रहा है। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) से अपील की है कि वह अमेरिका पर दबाव डाले ताकि ईरान के एक व्यावसायिक जहाज टोस्का और उसके चालक दल को तुरंत रिहा किया जा सके। ईरान के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत अमीर सईद इरावानी ने इस मुद्दे को लेकर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने अमेरिका के इस कदम पर गंभीर चिंता जताई है। पूरे मामले को ऐसे समझिए कि ईरान का कहना है कि उसका एक व्यापारिक जहाज टोस्का को अमेरिकी बलों ने ओमान सागर में, ईरान के तट के पास पकड़ लिया। यह घटना एक दिन पहले हुई बताई जा रही है। राजदूत इरावानी के मुताबिक, यह कार्रवाई जबरदस्ती और धमकी के साथ की गई और जहाज के कर्मचारियों और उनके परिवारों की जान को खतरे में डाला गया। उन्होंने इस घटना को गैरकानूनी और शत्रुतापूर्ण बताया।

अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन?

अब इस मामले में ईरान का आरोप है कि अमेरिका की यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है। ईरान ने दावा किया है कि यह एक तरह से समुद्री डकैती जैसा व्यवहार है। इससे दुनिया के अहम समुद्री रास्तों की सुरक्षा को खतरा पैदा होता है। इरावानी ने कहा कि इस तरह की घटनाएं क्षेत्र और दुनिया की शांति को बिगाड़ सकती हैं।

युद्धविराम का भी उल्लंघन?

इसके साथ ही ईरान ने यह भी दावा किया कि यह घटना उस संघर्षविराम का उल्लंघन है, जिसकी घोषणा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 7 अप्रैल को की थी। ऐसे में अब ईरान ने संयुक्त राष्ट्र से मांग की है कि अमेरिका की इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की जाए और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। इतना ही नहीं मामले में ईरान का यह भी कहना है कि जहाज, उसके कर्मचारियों और उनके परिवारों को तुरंत और बिना शर्त रिहा किया जाए।

संजू सैमसन ने शतक लगाकर चेन्नई को मुंबई के खिलाफ पहुंचाया 200 पार

मुम्बई।

CSKvsMIसंजूसैमन (नाबाद 101) की आतिशी शतकीय पारी के दम पर चेन्नई सुपर किंग्स ने गुरुवार को मुम्बई इंडियंस के खिलाफ छह विकेट पर 207 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया।

आज यहां मुम्बई इंडियंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स को तीसरे ओवर में एम गजनफर ने कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को आउट कर

पहला झटका दिया। ऋतुराज गायकवाड़ ने 14 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए 22 रन बनाये। छठें ओवर में मिचेल सैंटनर ने सरफराज खान (14) का शिकार कर लिया। इसके बाद मुम्बई के गेंदबाजों के आक्रामक प्रदर्शन के आगे चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सके और अपने विकेट गंवाते रहे। शिवम दुबे (पांच), डेवाल्ड ब्रेविस (21), कार्तिक शर्मा (18) और जेमी ओवर्टन (15) रन बनाकर आउट हुये। हालांकि इस दौरान संजूसैमन एक छोर थामे रन बनाते रहे।

चेन्नई सुपर किंग्स ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 208 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। संजू सैमसन ने 54 गेंदों में 10 चौके और छह छक्के लगाते हुए नाबाद 101 रनों की पारी खेली। यह संजू सैमसन का इस सीरीज में दूसरा शतक तथा आईपीएल में कुल कर पांचवां शतक है। मुम्बई इंडियंस के लिए ए एम गजनफर और अश्विनी कुमार ने दो-दो विकेट लिये। जसप्रीत बुमराह और मिचेल सैंटनर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

MI vs CSK मैच में हाईवोल्टेज ड्रामा! ओवरटन से भिड़े तिलक वर्मा, सूर्या भी कूदे, अंपायर ने कराया बचाव

मुंबई आईपीएल के सबसे बड़ी टीमें चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच मुकाबला हमेशा से ही हाई-वोल्टेज रहा है, लेकिन इस बार मैदान का तापमान तब और बढ़ गया जब जेमी ओवरटन और तिलक वर्मा के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। इस मैच में संजू सैमसन के शतक के दम पर सीएसके की टीम ने पहले बैटिंग करते हुए बोर्ड पर 207 रन बनाए थे। जवाब में मुंबई की टीम 11 रन पर तीन विकेट खोकर जूझ रही थी। तभी तिलक और ओवरटन के बीच जमकर बहस हुई।

10वें ओवर में तिलक और ओवरटन का बवाल

पारी के 10वें ओवर में ओवरटन के खिलाफ तिलक वर्मा काफी आक्रामक नजर आ रहे थे। उन्होंने ओवर की शुरुआत में ही चौका जड़कर अपने इरादे साफ कर दिए थे और फिर दूसरी गेंद पर भी दो रन चुराकर दबाव गेंदबाज पर डाल दिया था। विवाद की जड़ ओवर की आखिरी गेंद बनी। ओवरटन ने एक स्लोअर डिलीवरी फेंकी जिसे तिलक ने मिड-विकेट की ओर खेलकर दो रन लेने की कोशिश की।

बुमराह को ऐसा शॉट किसी ने नहीं मारा होगा!

नो-बॉल के बाद संजू ने मचाई तबाही, फ्री हिट गेंद पर दंग रह गए बुम-बुम

मुंबई

वानखेड़े स्टेडियम में आज वह हुआ जिसकी कल्पना मुंबई इंडियंस के फैंस ने कभी नहीं की थी। चेन्नई सुपर किंग्स के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने दुनिया के सबसे घातक गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के खिलाफ वही आक्रामकता दिखाई, जिसके लिए वे जाने जाते हैं। 19वें ओवर की उस फ्री-हिट ने न केवल बुमराह को हैरान किया, बल्कि संजू को उनके आईपीएल करियर के पांचवें शतक तक पहुंचने में मदद की।

नो-बॉल का सस्पेंस और फ्री-हिट पर प्रहार

पारी का 19वां ओवर चल रहा था। बुमराह ने 18.5 ओवर पर लेग-साइड की ओर एक तेज गेंद फेंकी जिसे अंपायर ने नो-बॉल करार दिया। इस गेंद पर संजू कोई रन नहीं बना पाए थे, लेकिन सीएसके को एक अतिरिक्त रन और सबसे कीमती चीज मिली, फ्री-हिट! बुमराह ने अगली गेंद जैसे ही फुल-लेंथ पर फेंकी, संजू ने उसे कवर्स की दिशा में इतनी ताकत से ड्राइव किया कि गेंद पलक झपकते ही बाउंड्री के पार चली गई। इसी चौके के साथ संजू अपने शतक के और भी करीब पहुंच गए।

54 गेंदों में 100, संजू की दमदार पारी संजू सैमसन ने इस मैच में शुरू से ही मुंबई के गेंदबाजों को निशाने पर लिया। उन्होंने महज 26 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया था। बीच के ओवरों में जब उन्हें ज्यादा स्ट्राइक नहीं मिली, तब भी उन्होंने अपना धैर्य नहीं खोया। 16वें ओवर में कृष भगत को रिमांड पर लेते हुए उन्होंने एक विशाल छक्का और दो चौके जड़कर अपना शतक की ओर कदम बढ़ाया। अंत में बुमराह के खिलाफ उस फ्री-हिट वाले चौके ने उनकी इस पारी को क्लासिक बना दिया।

विराट और केएल राहुल के खास क्लब में एंट्री

इस शतक के साथ संजू सैमसन ने आईपीएल इतिहास में अपना पांचवां शतक पूरा कर लिया है। अब वे आईपीएल में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीयों की सूची में केएल राहुल की बराबरी पर आ गए हैं। इस लिस्ट में अब उनसे आगे सिर्फ विराट कोहली हैं। संजू की इस आतिशी पारी की बदौलत चेन्नई सुपर किंग्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 207/6 का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा किया है।

वानखेड़े में संजू का राज

एमएस धोनी और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों की अनुपस्थिति में वानखेड़े को एक नए हीरो की तलाश थी और संजू सैमसन ने उस कमी को बखूबी पूरा किया। संजू ने न केवल कवर्स पर शानदार ड्राइव लगाए, बल्कि मिड-विकेट के ऊपर से कुछ गगनचुंबी छक्के भी जड़े। उनकी इस पारी ने मुंबई इंडियंस के गेंदबाजों के आत्मविश्वास को हिलाकर रख दिया है।

विश्व कप फुटबॉल में ईरान की जगह इटली को शामिल करें : जम्पोली

वाशिंगटन।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक विशेष दूत पाओलो जम्पोली ने विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) से कहा है कि वह जून में होने वाले विश्व कप में ईरान की जगह इटली को शामिल करें। माना जा रहा है कि हाल में जिस प्रकार से इटली के साथ अमेरिका के संबंध खराब हुए हैं। उसको देखते हुए ही जम्पोली ने इस प्रकार का बयान दिया है जिससे की इटली सरकार की नाराजगी दूर हो सके।

जम्पोली ने कहा कि उन्होंने ट्रंप और फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो दोनों को सुझाव दिया है कि विश्व कप में ईरान की जगह पर इटली को अवसर दिया जाना चाहिये क्योंकि वह कई बार विजेता

रही है। जम्पोली ने कहा, मैं इटली का रहने वाला हूं, और अमेरिका में होने वाले टूर्नामेंट में इटली की राष्ट्रीय टीम को देखते हुए देखना चाहता हूं। इटली ने चार विश्व कप खिताब जीते हैं और ऐसे में वह इस टूर्नामेंट में शामिल के लिए ईरान से कहीं बेहतर और योग्य है, इसके साथ ही उसका रिकार्ड भी काफी अच्छा है।

फीफा हालांकि इटली को शामिल नहीं कर सकता है, क्योंकि वह विश्व कप के लिए क्वालीफाई नहीं कर पायी है। इटली प्ले-ऑफ में बोस्निया और हर्जेगोविना से पेनल्टी शूटआउट में हारकर विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में असफल रही थी। यह किसी पूर्व विश्व चैंपियन के लिए एक अजीब स्थिति है।

वहीं ईरान ने लगातार चौथी बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया है पर जिस प्रकार से उसका अमेरिका और इजरालय से संघर्ष चल रहा है। उसको देखते हुए उसके संयुक्त रुप से अमेरिका और मैक्सिको और कनाडा में होने वाले विश्वकप में खेलने की उम्मीद नहीं है। ईरान ने और युद्ध शुरू होने के बाद से ही फीफा से अपनी टीम के तीन ग्रुप मैचों को अमेरिका से हटाकर मेक्सिको में स्थानांतरित करने का अनुरोध भी किया था जिससे ठुकरा दिया गया है।

इससे पहले, जब फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ट्रंप से मिले थे, तो उन्होंने कहा था कि ईरान को 2026 विश्व कप में हिस्सा लेने के लिए रोका नहीं जाएगा। दूसरी ओर ईरान के खेल मंत्री अहमद डोनयामाली ने कहा थ किया कि अमेरिका और इजरायल द्वारा देश पर हवाई हमलों के बाद ईरान 2026 विश्व कप में हिस्सा नहीं ले सकता।इसके बाद ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा था कि ईरान टीम का विश्व कप में स्वागत है पर उनकी सुरक्षा की गारंटी नीं दी जा सकती। विश्व कप 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में खेला जाएगा।

बार्सिलोना ने सेल्टा विगो को 1-0 से दी मात, लामिन यमल को लगी चोट

मैड्रिड।

एफसी बार्सिलोना ने सेल्टा विगो को अपने घर में 1-0 से हराकर ला लीगा में रियल मैड्रिड पर 9 अंकों की बढ़त बना ली। इस जीत के लिए बार्सिलोना को काफी मेहनत करनी पड़ी। लेकिन वहीं टीम को लामिन यामल के रूप में बड़ा झटका लगा है। दरअसल, लामिन यामल डिफेंस को भेदते हुए गिर गए और उन्हें चोट लग गई। जिस कारण वह बाहर हो गए।

सेल्टा ने पहले हाफ में काउंटर अटैक में दिक्कतें पैदा कीं लेकिन बार्सिलोना ने तब बढ़त बनाई जब यामल डिफेंस को भेदते हुए गिर गए। फॉरवर्ड को गोल में बदला, लेकिन बॉल को हिट करते समय उनकी हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई और उन्हें बाहर जाना पड़ा।

स्टैंड में मेडिकल इमरजेंसी के कारण मैच 15 मिनट तक रुका रहा। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, दूसरे हाफ में फेरान टोरेस का एक गोल मामूली ऑफसाइड की वजह से रद्द हो गया। दूसरी तरफ डिएगो शिमोन ने कोपा डेल रे फाइनल में हार के बाद अपनी एटलेटिको मैड्रिड टीम में बड़े बदलाव किए, लेकिन उनकी टीम एल्चे से 3-2 से हार गई, जो इस जीत के साथ रेलीगेशन जोन से बाहर हो गई।

एटलेटिको के लिए निको गोंजालेज ने दो गोल किए जबकि डेविड एफेंग्रुबर के गोल और आंद्रे सिल्वा की पेनल्टी से हाफटाइम तक स्कोर 2-2 हो गया एटलेटिको के थियागो अल्माडा को फाउल के लिए बाहर भेज दिया गया। जिससे स्पॉट किक हुई। सिल्वा ने दूसरे हाफ में फिर से गोल करके एल्चे को जीत दिलाई और अलावेस को निचले तीन में पहुंचा दिया।

पुडुचेरी क्रिकेट संघ ने कोच पर हमले के आरोपी तीन क्रिकेटरों को निलंबित

पुडुचेरी।

पुडुचेरी क्रिकेट संघ (सीएपी) ने कोच पर हमले के तीन आरोपी क्रिकेटरों को निलंबित कर दिया है। ये तीनों ही रणजी ट्रॉफी खेलते थे। इन

तीन फर्स्ट-क्लास क्रिकेटरों जे. कार्तिकेयन, ए. अरविंदराज और एस. संतोष कुमारन को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इन खिलाड़ियों पर पिछले साल 8 दिसंबर को राज्य की अंडर-19 टीम के कोच एस. वेंकटारमन पर जानलेवा हमला करने का आरोप है।

निलंबित किए गए खिलाड़ियों ने हाल के वर्षों में रणजी ट्रॉफी, विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में राज्य की ओर से खेला था। अरविंदराज ने पिछले घरेलू सीजन में भी पुडुचेरी की ओर से काफी अच्छा प्रदर्शन भी किया था पर अब निलंबित किये जाने के बाद उनका करियर समाप्त नजर आ रहा है।

क्रिकेट संघ ने कहा है कि ये क्रिकेटर किसी भी खेल परिसर में प्रवेश नहीं कर पायेंगे और न ही किसी प्रकार की सुविधा ले सकेंगे। इसके साथ ही, वे किसी भी राष्ट्रीय या बाहरी टूर्नामेंट में पुडुचेरी की ओर से नहीं खेल सकते। यह निलंबन तब तक जारी रहेगा जब तक वे अदालत से सभी आरोपों से बरी नहीं हो जाते। इन आरोपियों के पास अब केवल राज्य क्रिकेट संघ के एथिक्स ऑफिसर के पास अपील करने का एकमात्र विकल्प है।

आर्चर रॉयल्य की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने

चहल का रिकार्ड तोड़ा

लखनऊ। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफा आर्चर आईपीएल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाज बन गये हैं। आर्चर ने इसी के साथ ही युजवेंद्र चहल को पीछे छोड़ा।

चहल अभी तक रॉयल्स के सबसे अधिक 66 विकेट लिए थे पर अब ऑचर के नाम 68 विकेट हो गये हैं। आर्चर ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ यहां के इकाना इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दूसरा विकेट विकेट लेते ही ये उपलब्धि अपने नाम की है। आईपीएल में कुल मिलाकर आर्चर के नाम 70 विकेट हैं। उन्होंने कुछ मैच मुंबई इंडियंस के लिए भी खेले हैं। इससे पहले उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के लिए मैच खेले थे। रॉयल्स के लिए तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाद सिद्धार्थ त्रिवेदी काफी कम चर्चित हैं। साल 2008 से साल 2013 के बीच उन्होंने खेला था। वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन ने राजस्थान रॉयल्स के लिए 61 विकेट निकाले हैं। वे इस टीम के लिए सबसे ज्यादा आईपीएल विकेट लेने वाले चौथे गेंदबाज हैं। वहीं दिवंगत शेन वार्न ने रॉयल्स की ओर से 57 विकेट लिए हैं और वह पांचवे नंबर पर हैं।

खेल में राजनीति कर रहा पाकिस्तान

भारत में होने वाले इस टूर्नामेंट से नाम वापस लिया ; अब छह टीमें खेलती दिखेंगी

कराची।

दक्षिण एशिया के बड़े फुटबॉल टूर्नामेंट सैफ विमेंस चैंपियनशिप 2026 से पाकिस्तान ने अपना नाम वापस ले लिया है। पाकिस्तान फुटबॉल फेडरेशन ने इसकी आधिकारिक पुष्टि करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच बिगड़ते रिश्तों के चलते यह फैसला लिया गया है। यह टूर्नामेंट 25 मई से छह जून तक गोवा के पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेला जाना है।

टूर्नामेंट अब छह टीमों के साथ

पाकिस्तान के हटने के बाद अब इस टूर्नामेंट में कुल 6 टीमें हिस्सा लेंगी। इनमें भारत, नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, भूटान और मालदीव शामिल हैं। ढाका में हुए ड्रॉ में इन टीमों

को दो समूहों में बांटा गया है, जिससे प्रतियोगिता का रोमांच बरकरार रहेगा।

पाकिस्तान महिला फुटबॉल को बड़ा झटका

यह फैसला पाकिस्तान महिला फुटबॉल के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। हाल के वर्षों में टीम धीरे-धीरे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी कर रही थी और इस टूर्नामेंट को खुद को साबित करने का बड़ा मौका माना जा रहा था। लेकिन एक बार फिर राजनीतिक तनाव ने खेल पर असर डाला और खिलाड़ियों का यह मंच छिन गया।

पहले भी खेलों से पीछे हट चुका है पाकिस्तान

यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान ने भारत में होने वाले किसी खेल आयोजन से दूरी बनाई हो। इससे पहले भी पाकिस्तान ने पुरुष जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप और एशिया कप में अपनी टीम नहीं भेजी थी। यह लगातार बढ़ती प्रवृत्ति दर्शाती है कि खेल और राजनीति का टकराव दक्षिण एशिया में अभी भी जारी है।

भारत और बांग्लादेश पर रहेंगी नजरें

भारत इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम है, जिसने पांच बार खिताब जीता है। वहीं बांग्लादेश ने पिछले दो संस्करण (2022 और 2024) अपने नाम किए हैं। ऐसे में इस बार भी इन दोनों टीमों पर सबकी नजरें टिकी रहेंगी।

चीन के हनान प्रांत में एशियन बीच गेम्स में एक्काएथलॉन इवेंट में भाग लेते हुए एथलीट।

स्टेडियम का काम शुरू, 6 टीमें और टी-20 फॉर्मेट में होंगे मुकाबले

ओलिंपिक 2028 में क्रिकेट मुकाबले पोमोना में खेले

वॉशिंगटन।

साल 2028 में होने वाले लॉस एंजिल्स ओलिंपिक के लिए क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण आधिकारिक तौर पर शुरू हो गया है। कैलिफोर्निया के पोमोना में बुधवार को हुए भूमि पूजन के साथ ही क्रिकेट की 128 साल बाद ओलिंपिक में वापसी की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है।

पोमोना में खेले जाएंगे मैच

सभी मुकाबले लॉस एंजिल्स से लगभग 50 किलोमीटर दूर पोमोना स्थित फेयरग्राउंड्स मैदान पर खेले जाएंगे। ओलिंपिक में क्रिकेट मैच 12 जुलाई से 29 जुलाई 2028 तक आयोजित होंगे।

एक बार हुआ है ओलिंपिक में क्रिकेट

साल 1900 में पेरिस ओलिंपिक में क्रिकेट को शामिल किया गया था। इसके बाद क्रिकेट को ओलंपिक्स में नहीं लिया गया। पेरिस ओलंपिक्स के क्रिकेट इवेंट में सिर्फ दो टीमों इंग्लैंड और फ्रांस ने हिस्सा लिया था। इसमें इंग्लैंड ने गोल्ड और फ्रांस ने सिल्वर जीता था।

क्रिकेट के लिए ऐतिहासिक मील का पत्थर

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के चेयरमैन जय शाह ने इस अवसर को खेल के लिए एक बड़ा मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि क्रिकेट वैश्विक खेल बनने की दिशा में बड़ी छलांग लगा रहा है। ओलिंपिक का हिस्सा बनना गर्व की बात है और हमें विश्वास है कि यह वेन्यू खेलों के दौरान केंद्र बिंदु बनेगा और अमेरिका में क्रिकेट की एक स्थायी विरासत छोड़कर जाएगा।

6 टीमें और टी-20 फॉर्मेट में होंगे मुकाबले

लॉस एंजिल्स ओलिंपिक में क्रिकेट एक आधुनिक फॉर्मेट में लौटेगा। इसमें मेंस और विमेंस दोनों कैटेगरी के लिए अलग-अलग टी-20 इंटरनेशनल टूर्नामेंट आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक टूर्नामेंट में 6 टीमें हिस्सा लेंगी। हर टीम को 15 सदस्यीय स्क्वॉड की अनुमति होगी। विजेता टीमों को गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल दिए जाएंगे।

ओलिंपिक से पहले नाइट राइडर्स के मैच होंगे

ओलिंपिक की तैयारियों के रूप में इस फेयरप्लेक्स ग्राउंड्स पर मेजर लीग क्रिकेट के तीन मुकाबले भी खेले जाएंगे। 1 से 5 जुलाई के बीच होने वाले इन मैचों में स्थानीय टीम लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स एक्शन में नजर आएगी। स्थ्ट अमेरिका की प्रमुख प्रोफेशनल टी-20 लीग है।

लोकतंत्र की मूल इकाई में विकास के साथ शांति व्यवस्था कायम रखने की जिम्मेदारी सरपंच का होता है : सांसद

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शहर में स्थित होटल शुभकामना में विकासखंड स्तरीय सरपंच संघ का सम्मेलन हुआ जहां पर दुर्ग सांसद विजय बघेल का अभिनंदन किया गया इस अवसर पर सांसद विजय बघेल ने कहा कि लोकतंत्र के मूल इकाई के परिवार गांव के विकास के साथ शांति व्यवस्था कायम रखने जिम्मेदारी सरपंच का होता है जिनके द्वारा सम्मान किया गया है उसके लिए आभार एवं धन्यवाद व्यक्ति करते हुए सांसद विजय बघेल ने कहा कि उसके जीवन की राजनीतिक शुरुआत नगरीय निकाय से हुआ है जिस तरह ग्रामीण क्षेत्र में सरपंच के जिम्मेदारी होती है ठीक उसी तरह नगरीय क्षेत्र में पार्षद अध्यक्ष की जिम्मेदारी होती है उन्होने कहा कि नगरीय क्षेत्र के मूलभूत सुविधाओं की जिम्मेदारी होती है जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी वैसे बहुत है पर संसदीय व्यवस्था अलग होती है जहां चाह के भी कुछ कार्य को नहीं कर पाते सांसद की जिम्मेदारी संवैधानिक व्यवस्था करना है पर चुने हुए जनप्रतिनिधि के नाते जनता की एक भाव हमारे प्रति होता है सांसद को 5 करोड रुपए सांसद निधि के लिए मिलता है वही विधायक को चार करोड रुपए मिलता है ऐसे में कई बार वितरण करने में भारी परेशानी होती है फिर भी आप लोगों को जैसा भी होता है सहयोग करते हैं लोग बहुत संघर्ष करके सरपंच बनते हैं परन्तु सरपंचों को तकलीफ ना हो ऐसा मेरा प्रयास रहेगा उन्होंने सरपंच संघ के अध्यक्ष ताराचंद वर्मा के द्वारा सौंपे मांग पत्र के संदर्भ में कहा कि जो भी संभव होगा उसके लिए वह प्रयास करेंगे।

सांसद विधायक बनना सरल है पर सरपंच बनना बहुत कठिन

बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के सारा काम सरपंच करते हैं उन्होंने कहा कि विधायक सांसद बनना आसान है पर सरपंच बनना बहुत मुश्किल है और सरपंच बनने के बाद तो और भी काम बढ़ जाता है क्योंकि लोगों को ऊपर सरपंच के प्रति विश्वास रहता है चाहे सुख हो या दुख हो सरपंच को ही पहले याद करते हैं सांसद विधायक तो दिल्ली रायपुर में होते हैं पर सरपंच गांव में रहते हैं इसलिए नाली सड़क बिजली की समस्याओं के साथ किसी भी विषय पर लोग सरपंच की तरफ ही भरोसा करते हैं क्योंकि जनता अपनी समस्या के निराकरण के लिए सरपंच को ही जिम्मेदार मानते हैं उन्होंने कहा कि मोदी सरकार और विष्णु सरकार में हर काम होगा गरीब किसानों की चिंता प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री कर रहे हैं उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना महतारी योजना सहित विभिन्न योजना को उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने सभी के लिए चिंता करते हैं उन्होंने यह भी कहा कि सरपंच चाहे किसी भी पार्टी या दल का हो पर गांव की विकास में किसी भी प्रकार की बाधा नहीं डालना चाहिए हर एक गांव के विकास में कोई कमी नहीं करेंगे उन्होंने बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के सरपंचों को विधायक निधि से 5-5 लख रुपए देने की घोषणा किया है उसके साथ ही उन्होंने कहा कि जो बेमेतरा विधानसभा में सबसे सुंदर गांव होगा उन्हें भी पुरस्कृत किया जाएगा इसके पहले सरपंच संघ के अध्यक्ष ताराचंद वर्मा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में विकास तो सभी सांसद विधायक के द्वारा किया जा रहा है इसके बाद भी गांव में पर्याप्त विकास नहीं हुआ है इसलिए पहली प्राथमिकता के रूप में सरपंच के तरफ ध्यान देना चाहिए उसका सम्मान होना चाहिए उन्होंने पंचायत के समस्या के संदर्भ मे उल्लेख करते हुए उन्होंने सांसद निधि से सरपंच संघ को एक करोड रुपए देने की मांग रखी इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास की राशि को 2 लाख करने का मांग किया इसके अलावा सरपंचों को मिलने वाले सम्मान राशि को ?10000 करने एवं पंचों को भी ?1000 ?1000 बढ़ाने की मांग रखा इसके अलावा खराब सड़कों की मरम्मत की बात कही साथ ही पंचायत में नेटवर्क की समस्या को हल करने के लिए प्रत्येक सरपंच पंचायत में मोबाइल टावर होने की मांग भी उन्होंने रखा गैस सिलेंडर की सुविधा की भी बात उन्होंने की इसके अलावा बेरला सरपंच संघ अध्यक्ष पिंटु सिंहा नानूराम चंद्राकर सरपंच कठौतिया प्रिति यदु बसनी सरपंच एवं दिलीप निषाद सरपंच भर चट्टी ने भी विचार व्यक्त किया इस सम्मान समारोह में सांसद, विधायक , अतिथियों उपस्थित सभी सरपंचों का सम्मान सरपंच संघ के द्वारा स्मृति चिन्ह शाल श्रीफल भेंट कर किया गया इस अवसर पर रायपुर प्रभारी एवं बेमेतरा जिला भाजपा के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा राजेश दत्त दुबे अनिल महेश्वरी गोविंद पटेल आशीष दानी सहित अन्य लोग उपस्थित थे कार्यक्रम के संचालन हर्षवर्धन तिवारी ने किया इस अवसर पर भारी संख्या में सरपंच उपस्थित रहे

27 अप्रेल 2026, दिन सोमवार को प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले के ऐसे इच्छुक अभ्यर्थी जो निजी क्षेत्रों में रोजगार करना चाहते है, उन्हे अवसर प्रदान करने के उदेश्य से जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, बेमेतरा कार्यालय परिसर रुम न. 64 एवं में 27 अप्रैल 2026 को प्रातः 11:00 बजे से दोप. 03:00 बजे तक प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें नियोक्ता SHRAMIN TELENT PVT. LTD. mæÚUæ Electric Meter Techniciann के 50 पद, योग्यता, Graduate, 10 th Pass, vwth Pass, ITI/NTC/NCVT, वेतनमान 15000-18000 आयु 18 से 35 वर्ष, and JK GROUP SECURITY AND MAN POWER SERVICES द्वारा Packeging Staff 5वीं 8वीं योग्यता 18000-20000 आयु 18 से 45 वर्ष पुरुष आवेदक हेतु भर्ती किया जाना है। जिला रोजगार कार्यालय नियोजक (निजी संस्था) तथा आवेदक के मध्य एक प्लेटफार्म उपलब्ध कराता है तथा यह नियुक्ति केवल निजी क्षेत्र के संस्थाओं में कार्य हेतु किया जाता है। अतः पद, संस्था, कार्य, वेतन व अन्य पूर्ण जानकारी कैम्प में उपस्थित नियोजक या प्रतिनिधि से संपर्क कर प्राप्त की जा सकती है। अधिसूचित रिक्त पदों पर रोजगार के अवसर प्राप्त करने हेतु इच्छुक आवेदक रोजगार कार्यालय का पंजीयन पत्रक, छ.ग. निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, एवं समस्त शैक्षणिक मूल प्रमाण पत्र के साथ जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, बेमेतरा में दिनांक 27.04.2026, दिन सोमवार समय 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक उपस्थित उपस्थित हो सकते है।

राम गोढीकला में विशेष ग्राम सभा का आयोजन, जनगणना जागरूकता पर जोर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

ब्लॉक नवागढ़ अंतर्गत आज 24 अप्रैल 2026 को ग्राम पंचायत गोढीकला, कंवराकांपा में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सरपंच, जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों को जनगणना के महत्व से अवगत कराया गया। सभा में सभी नागरिकों से अपील की गई कि वे 16 अप्रैल 2026 से प्रारंभ हुए स्व-गणना कार्य में पूरे उत्साह, जिम्मेदारी और आत्मविश्वास के साथ भाग लें, ताकि सटीक और पूर्ण जानकारी उपलब्ध हो सके।कार्यक्रम में उपस्थित एसडीएम दिव्या पोटाई ने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि देश के समग्र विकास के लिए सटीक आंकड़ों का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि जनगणना के माध्यम से प्राप्त जानकारी के आधार पर ही सरकार विभिन्न योजनाओं का निर्माण करती है, जिससे हर वर्ग तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा सके।उन्होंने आगे जानकारी देते हुए बताया कि जनगणना के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण का कार्य 1 मई 2026 से 30 मई 2026 तक किया जाएगा। इस दौरान आम नागरिकों की सामान्य जानकारी एकत्रित की जाएगी, जो पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और देश के विकास की कार्ययोजना बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जिले में अवैध खनिज परिवहन पर कड़ी कार्रवाई, 6 वाहन जप्त, अर्थदंड की कार्रवाई प्रारंभ

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर कार्यालय (खनिज शाखा) के निर्देशन में जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन पर लगातार सख्ती बरती जा रही है। इसी कड़ी में दिनांक 23 अप्रैल 2026 से 24 अप्रैल 2026 तक विशेष अभियान चलाकर खनिज विभाग द्वारा प्रभावी कार्रवाई की गई। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर निगरानी रखते हुए अवैध रूप से खनिज परिवहन करते पाए गए वाहनों को चिन्हित कर कार्रवाई सुनिश्चित की गई। अभियान के तहत कुल 06 वाहनों को जप्त किया गया, जिनमें रेत से भरे 04 वाहन, ईंट से भरा 01 वाहन एवं चूनापत्थर से भरा 01 वाहन शामिल है। सभी वाहनों को नियमानुसार जप्त कर सुरक्षित अभिरक्षा में रखा गया है। संबंधित वाहन चालकों एवं संचालकों के विरुद्ध अवैध परिवहन के प्रकरण दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है।खनिज विभाग द्वारा की गई इस कार्रवाई में खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 (1957 का सं. 67) की धारा 21 से 23-ख के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किए गए हैं। उक्त प्रकरणों में कुल 1,63,250 रुपये (एक लाख तिरसठ हजार दो सौ पचास रुपये) की अर्थदंड राशि निर्धारित की गई है, जिसकी वसूली की प्रक्रिया प्रचलन में है।जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को नियमित रूप से निरीक्षण एवं निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं, ताकि जिले में खनिज संसाधनों के अवैध दोहन पर पूर्णतः रोक लगाई जा सके और शासन के राजस्व की हानि न हो।

27 अप्रेल 2026, दिन सोमवार को प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले के ऐसे इच्छुक अभ्यर्थी जो निजी क्षेत्रों में रोजगार करना चाहते है, उन्हे अवसर प्रदान करने के उदेश्य से जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, बेमेतरा कार्यालय परिसर रुम न. 64 एवं में 27 अप्रैल 2026 को प्रातः 11:00 बजे से दोप. 03:00 बजे तक प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें नियोक्ता SHRAMIN TELENT PVT. LTD. mæÚUæ Electric Meter Techniciann के 50 पद, योग्यता, Graduate, 10 th Pass, vwth Pass, ITI/NTC/NCVT, वेतनमान 15000-18000 आयु 18 से 35 वर्ष, and JK GROUP SECURITY AND MAN POWER SERVICES द्वारा Packeging Staff 5वीं 8वीं योग्यता 18000-20000 आयु 18 से 45 वर्ष पुरुष आवेदक हेतु भर्ती किया जाना है। जिला रोजगार कार्यालय नियोजक (निजी संस्था) तथा आवेदक के मध्य एक प्लेटफार्म उपलब्ध कराता है तथा यह नियुक्ति केवल निजी क्षेत्र के संस्थाओं में कार्य हेतु किया जाता है। अतः पद, संस्था, कार्य, वेतन व अन्य पूर्ण जानकारी कैम्प में उपस्थित नियोजक या प्रतिनिधि से संपर्क कर प्राप्त की जा सकती है। अधिसूचित रिक्त पदों पर रोजगार के अवसर प्राप्त करने हेतु इच्छुक आवेदक रोजगार कार्यालय का पंजीयन पत्रक, छ.ग. निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, एवं समस्त शैक्षणिक मूल प्रमाण पत्र के साथ जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, बेमेतरा में दिनांक 27.04.2026, दिन सोमवार समय 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक उपस्थित उपस्थित हो सकते है।

जिया मंडल के ग्राम जेवरी व मटका की बैठक में शामिल हुए आशीष छाबड़ा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बेमेतरा जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा बेमेतरा ब्लॉक के जिया मंडल के ग्राम जेवरी व मटका में कांग्रेस कमेटी की बैठक में शामिल हुए इस दौरान पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने सभी कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया तथा पूर्व विधायक ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बुथ एवं पंचायत स्तरीय कांग्रेस कमेटी का गठन अति शीघ्र किया जाना चाहिए तथा बूथ कांग्रेस कमेटी के गठन में बूथ स्तर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं के सलाह एवं स्वीकार्यता को सर्वाधिक प्राथमिकता दी जानी चाहिए और इस कार्य में किसी प्रकार का विलंब न किया जाए साथी साथ उन्होंने यह भी कहा कि संगठन ने आपको यह अवसर दिया है कि आप इस संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएं कांग्रेस पार्टी की असली ताकत कांग्रेस का कार्यकर्ता ही है जो विपरीत परिस्थितियों में भी अपना धीरज नहीं खोता जनहित की मुद्दों पर सत्ता और सरकार से टकराने में भी हिचक नहीं करता आज अगर हमें कांग्रेस संगठन ने पदाधिकारी बनाया है तो हमारा दायित्व है कि हम संगठन के लिए अपना सर्वस्व निछावर कर दें कांग्रेस संगठन को ऊंचाई में ले जाने के लिए जो भी अपनी ओर से योगदान हो सकता है वह सभी करें आज कांग्रेस आम जनता की आशा का केंद्र है ऐसे में हमारी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ने कांग्रेस संगठन को प्रत्येक बूथ स्तर पर पहले की अपेक्षा अत्यधिक संगठित एवं सशक्त करने की बात कही जिसके लिए लगातार संगठन में कार्य किया जा रहा है अनुभवी एवं युवा उत्साहियों को अवसर प्रदान किया जा रहे हैं लगातार संगठन की ओर से कार्यकर्ताओं को आम जनता से संपर्क बनाने एवं उनकी समस्याओं के लिए जुझारू बनने की समझाइए दी जा रही है लगातार क्षेत्र में क्षेत्र वासियों से अपेक्षित सहयोग भी मिल रहा है आने वाले समय में कार्यकर्ताओं के सहयोग एवं समर्पण से कांग्रेस संगठन को और अत्यधिक मजबूत किया जाएगा बैठक को जिला कांग्रेस प्रभारी सुनील माहेश्वरी ने भी संबोधित किया तथा कार्यकर्ताओं से कांग्रेस को मजबूत करने के लिए आगे आने को कहा इस अवसर पर ब्लॉक प्रभारी सुमन गोस्वामी शशि प्रभा गायकवाड सदस्य जिला पंचायत बेमेतरा राजेंद्र वर्मा मंडल अध्यक्ष जिया भावसिंह राज मंडल प्रभारी बहल वर्मा ललित विश्वकर्मा सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे बसंत जोशी प्रकाश साहू सरपंच ग्राम पंचायत जेवरी प्रताप साहू दिनेश जोशी कृष्ण यादव हेमलाल साहू कमलेश साहू बिरेंद्र लहरें गोवर्धन यदु चंद्रिका साहू हीरा लाल यदु अनिल यदु सनत यदु चितरेदन वर्मा मोहित वर्मा सुखराम वर्मा देवचरण साहू प्रकाश साहू राजकुमार बंजारे पवन साहु दैलत डॉ ति?रथ राम साहू मनोज शर्मा चेतन पान्डे द्वारिकाप्रसाद पांडे राम कुमार सेन अनिल मोहन साहु हेम कुमार राजकुमार छवि रोमन वर्मा सुरेन्द्र वर्मा प्रेम वर्मा डोमेन निसद रामधन वर्मा नंदकुमार निवारे पिलायराम देवांगन लव पताप पुरन लक्ष्मन सिन्हा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन वंचितों की आवाज अब सीधे पहुंचेगी शासन तक : रत्नावली कौशल

राशन से लेकर महिला सुरक्षा तक, हर समस्या का समाधान

सशक्त नारी समृद्ध छत्तीसगढ़ का मार्ग प्रशस्त करेगी

रायपुर/मूक पत्रिका

- भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन की पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल ने प्रदेश के संवेदनशील एवं जननायक मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के द्वारा जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु 'मुख्यमंत्री हेल्पलाइन' प्रारंभ करने के ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह हेल्पलाइन 'सुशासन तिहार' की भावना को साकार करने वाली क्रांतिकारी पहल है। मुख्यमंत्री जी ने यह सिद्ध कर दिया है कि भाजपा की सरकार केवल घोषणाओं की नहीं, बल्कि धरातल पर परिणाम देने वाली सरकार है। अब प्रदेश की माताएं-बहनें, किसान भाई, श्रमिक, अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के बंधु एवं दिव्यांगजन अपनी पीड़ा को बिना किसी संकोच, बिचौलिए या कार्यालयों के चक्कर काटे सीधे शासन तक पहुंचा सकेंगे।

रत्नावली कौशल ने कहा कि विशेष रूप से महिलाओं के लिए यह हेल्पलाइन सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन का नया संबल बनेगी। घरेलू हिंसा, राशन-पेंशन में अनियमितता, स्व-सहायता समूहों की समस्या, आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य सेवाएं या कन्या शिक्षा से जुड़ी कोई भी शिकायत अब एक कॉल पर दर्ज होगी और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। यह 'नारी शक्ति वंदन' के संकल्प को सशक्त करने वाला कदम है।रत्नावली कौशल ने अनुसूचित जाति वर्ग की पूर्व प्रतिनिधि होने के नाते कहा कि कांग्रेस शासन में वंचित समाज की आवाज दबा दी जाती थी, फाइलें दफ्तरों में धूल खाती थीं। परंतु मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास' को चरितार्थ करते हुए शासन को सीधे गरीब की झोपड़ी तक पहुंचा दिया है। छात्रवृत्ति, जाति प्रमाण पत्र, आवास योजना, सामुदायिक भवन या अत्याचार निवारण से जुड़े प्रकरणों में अब तत्काल सुनवाई होगी।

रत्नावली कौशल ने कहा कि यह हेल्पलाइन 'डिजिटल छत्तीसगढ़' और 'संवेदनशील प्रशासन' का संगम है। मुख्यमंत्री जी की यह पहल बताती है कि जब नीयत साफ हो और नेतृत्व सशक्त हो, तो व्यवस्था स्वयं जनता के द्वार पर आती है।

रत्नावली कौशल ने संकल्प व्यक्त किया कि भाजपा महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष विभा अवस्थी के नेतृत्व में प्रत्येक कार्यकर्ता इस हेल्पलाइन का व्यापक प्रचार गांव-गांव, वार्ड-वार्ड तक करेगी। स्व-सहायता समूहों, मितानिनों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से अंतिम छोर पर बैठी बहन तक इसकी जानकारी पहुंचाई जाएगी, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति न्याय से वंचित न रहे।

रत्नावली कौशल ने प्रदेश की मातृशक्ति एवं समस्त नागरिकों से आह्वान किया कि मुख्यमंत्री जी की इस जनहितकारी पहल का भरपूर उपयोग करें और 'सशक्त नारी – समृद्ध छत्तीसगढ़' के निर्माण में भागीदार बनें। रत्नावली कौशल ने मुख्यमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपके संवेदनशील नेतृत्व में छत्तीसगढ़ मातृशक्ति के सम्मान, सामाजिक न्याय और सुशासन का नया कीर्तिमान स्थापित करेगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।